मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 189
गुरुवार, 22 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भारत सशक्त बनना चाहता है, जिससे कोई उसपर अपनी शर्तें न थोप सके : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 21 जनवरी। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है, न तो किसी पर प्रभुत्व जमाने के लिए और न ही अन्य देशों पर अनुचित नियम थोपने के लिए, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी भारत पर अपनी शर्तें थोपने की हिमाकत न करे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आज केवल प्रौद्योगिकी को अपनाने वाला देश नहीं है, बल्कि प्रौद्योगिकी के निमार्ता के रूप में उभर रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों ने देश में उद्यमशीलता के माहौल को जीवंत और सहायक बनाया है। उपराष्ट्रपति यहां सीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के रजत जयंती समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे।

राधाकृष्णन ने कहा, भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर होगा...हम सबसे शक्तिशाली बनना चाहते हैं, अन्य देशों पर प्रभुत्व स्थापित करने या अन्य देशों पर अनुचित नियम थोपने के लिये नहीं। बल्कि, भारत माता पर कोई भी अपनी शर्तें थोपने की हिम्मत न करे, इसीलिए हम दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज का वैश्विक परिदृश्य चुनौतियों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा खतरे, प्रौद्योगिकी तक समान पहुंच और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नैतिक उपयोग कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, यह चुनौतियां नवाचार, उद्यमिता और नेतृत्व के लिए भी अविश्वसनीय अवसर प्रदान करती हैं। राधाकृष्णन के अनुसार, ऐसे समय में जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थिरता की चुनौतियों और वैश्विक अनिश्चितताओं से आकार ले रही है, छात्रों से उम्मीद की जाती है कि वे रचनात्मक, नैतिक, साहसी, मजबूत और आत्मविश्वासी बने रहें। उन्होंने छात्रों से कभी हार न मानने का आग्रह करते हुए कहा, किस्मत हर बार हमारा साथ नहीं देती, लेकिन कड़ी मेहनत से किस्मत कम से कम एक बार तो हमारा साथ देगी ही, और वह पल बहुत अच्छा होगा।

उन्होंने कहा, आपको अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और अपनी सुविधानुसार गति से लगातार उस लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए, कभी भी किसी से अपनी तुलना न करें। हर किसी में कुछ खूबियां और कुछ कमियां होती हैं। किसी भी काम में कड़ी मेहनत, ईमानदारी और लगन से काम करने से शायद उसी दिन सफलता न मिले, लेकिन किसी और दिन उससे भी बड़ी सफलता जरूर मिलेगी। यहां तक कि भगवान भी उस सफलता को आपसे छीन नहीं सकते।

मुंबई में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर 23 जनवरी को सुनवाई होगी : उच्च न्यायालय

मुंबई, 21 जनवरी। मुंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह महानगर में मध्यम स्तर की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) से संतुष्ट नहीं है और कहा कि वह वायु प्रदूषण के मुद्दे पर 23 जनवरी को विचार करेगा।

अदालत ने तीन साल पहले देश की वित्तीय राजधानी में बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्वतः संज्ञान लिया था और समय-समय पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) से इस समस्या से निपटने के लिए उपाय करने को कहा है।

मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की पीठ ने शहर में वर्तमान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के बारे में जानकारी मांगी। बीएमसी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एस यू कामदार ने बताया कि एक्यूआई 100 से 140 के बीच मध्यम स्तर का है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के आंकड़ों से स्पष्ट रूप से असंतुष्ट होते हुए अदालत ने टिप्पणी की, ह्यह्यहम मध्यम स्तर से संतुष्ट नहीं हैं। कामदार ने दलील दी कि बीएमसी ने वायु प्रदूषण की स्थिति को सुधारने के लिए कदम उठाए हैं और एक हलफनामा प्रस्तुत किया। अदालत ने कहा कि वह शुक्रवार को इस मुद्दे पर विचार करेगी।

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन, हवाई संपर्क को बढ़ावा देने के लिए शिमला से हेलीकॉप्टर सेवाओं की शुरूआत

हिमाचल प्रदेश, 21 जनवरी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शिमला में संजौली हेलीपोर्ट पर बुधवार को हेलीकॉप्टर सेवाओं की शुरूआत की, जिसे राज्य में हवाई संपर्क और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इसके साथ ही संजौली हेलीपोर्ट से कुल्लू में स्थित भुंटर हवाई अड्डे और रेकोंग पेयो में स्थित आईटीबीपी हेलीपैड तक के लिए दैनिक हेलीकॉप्टर उड़ान सेवाओं की शुरूआत हो गई। इसके अतिरिक्त सप्ताह में तीन दिन यानी सोमवार, शुक्रवार और शनिवार को चंडीगढ़ और संजौली हेलीपोर्ट के बीच भी हेलीकॉप्टर उड़ानों का संचालन किया जाएगा।

संजौली से कुल्लू के बीच यात्रा का किराया प्रति यात्री 3,500 रुपये जबकि संजौली से रेकोंग पेयो के बीच 4,000 रुपये है। इसके अलावा संजौली से चंडीगढ़ तक का किराया 3,169 रुपये तय किया गया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि संजौली-रामपुर-रेकोंग पियो और संजौली-मनाली (एसएएसई हेलीपैड) मार्गों पर भी जल्द ही हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा, इन मार्गों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की मंजूरी के लिए प्रस्ताव पहले ही नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को भेजे जा चुके हैं।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह की पाकिस्तान को चेतावनी

नई दिल्ली, 21 जनवरी। सेंटर फॉर एयरोस्पेस पावर एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज द्वारा दिल्ली में आयोजित 22वें सुब्रतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित करते हुए, उन्होंने त्वरित और निर्णायक परिणाम देने के भारतीय वायु सेना के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड को उजागर किया, जिसमें पाकिस्तान में कुछ ही घंटों में कई लक्ष्यों पर हमला करने की उसकी क्षमता का उल्लेख किया गया। एयर चीफ मार्शल ने कहा सैन्य शक्ति का वह हिस्सा जो सबसे उपयोगी साबित हुआ है, या जिसने अपेक्षित परिणाम दिए हैं, वह है वायु शक्ति। यदि हम एक शक्तिशाली सेना बनना चाहते हैं, तो हमें सैन्य शक्ति के इस हिस्से पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे वह संघर्ष क्षेत्र से लोगों को निकालना हो, चाहे आतंकवादी ढांचे और उनके अपराधियों को ध्वस्त करना हो, या चाहे कुछ ही घंटों में पाकिस्तान में ठिकानों पर हमला करके यह संदेश देना हो कि बहुत हो गया और उन्हें घुटने टेकने पर मजबूर करना हो। यह वायु शक्ति ही थी जिसने कमाल किया, और इसे याद रखना होगा।

गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर सैन्य सटीकता और रणनीतिक संघर्ष समाधान का एक महत्वपूर्ण उदाहरण था। 7 मई, 2025 को शुरू किए गए इस ऑपरेशन का उद्देश्य 22 अप्रैल, 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान-नियंत्रित क्षेत्रों में आतंकी ढांचे को नष्ट करना था। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के 12-13 लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया, जिनमें जमीन पर चार से पांच एफ-16 और हवा में पांच एफ-16 और जेएफ-17 के साथ-साथ दो जासूसी विमान शामिल थे।

इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी में 93वें वायु सेना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वायु सेना प्रमुख (सीएएस) ने कहा कि पांच पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को, जो एफ-16 या पाकिस्तान के 'गौरव' और उसकी वायु सेना की रीढ़ माने जाने वाले चीनी जेएफ-17 हो सकते हैं, लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एलआरएसएएम) एस-400 ट्रायम्फ सुदर्शन चक्र प्रणाली का उपयोग करके मार गिराया गया। हैंगरों में रखरखाव के लिए रखे गए चार से पांच अन्य एफ-16 विमान भी भारतीय वायु सेना की गोलाबारी में नष्ट हो गए।

वायु सेना प्रमुख ने यह भी बताया कि भारतीय वायु सेना ने कई पाकिस्तानी हवाई अड्डों को ध्वस्त कर दिया, जिससे रडार, कमांड सेंटर, रनवे, हैंगर और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली (एसएएम) क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वायु सेना की उन्नत लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों ने पाकिस्तान को अपने क्षेत्र में भी एक निश्चित सीमा तक संचालन करने से रोक दिया। सीएएस ने इस ऑपरेशन को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया, जिसमें 300 किलोमीटर से अधिक की सबसे लंबी सफल मिसाइल स्ट्राइक शामिल है, जिसने पाकिस्तान की गतिविधियों को सीमित कर दिया।

वायु सेना प्रमुख ने कहा, हमने हाल ही में जो लंबी दूरी की एसएएम मिसाइलें प्राप्त कीं और उन्हें परिचालन में लाया... उनसे हम उनके क्षेत्र के भीतर तक निशाना साध सके। हम यह सुनिश्चित कर सके कि वे अपने क्षेत्र में भी एक निश्चित दूरी तक संचालन करने में असमर्थ रहें। यह 300 किलोमीटर से अधिक की सबसे लंबी मारक क्षमता के रूप में इतिहास में दर्ज होगी। और इसने उनकी गतिविधियों को गंभीर रूप से कम कर दिया।

अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर साधा निशाना

प्रयागराज, 21 जनवरी। प्रयागराज प्रशासन द्वारा कथित तौर पर चल रहे माघ मेले के दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोकने के विवाद के बीच, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला करते हुए उस पर सनातन धर्म की परंपराओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और अन्य संत हमारे लिए गर्व का विषय हैं और प्रमुख धार्मिक आयोजनों के दौरान भक्तों का उनसे मिलने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए एकत्रित होना स्वाभाविक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रथा सनातन धर्म का अभिन्न अंग है।

अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा, देखिए, शंकराचार्य जी और हमारे सभी संत और ऋषि हमारा गौरव हैं। जब इतना बड़ा आयोजन होता है, तो लोगों का उनसे मिलने और उनका आशीर्वाद लेने आना स्वाभाविक है। उनके अनुयायी उनसे बहुत मार्गदर्शन और ज्ञान प्राप्त करते हैं - यही सनातन धर्म की परंपरा है। और अगर कोई इस परंपरा को तोड़ रहा है, तो वह भारतीय जनता पार्टी है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा को अपने पदाधिकारियों के माध्यम से इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए था और पार्टी पर जानबूझकर संतों और ऋषियों का अपमान करने का आरोप लगाया।

गणतंत्र दिवस तैयारियों के मद्देनजर कुछ घंटे बंद रहेगा पटियाला हाउस कोर्ट

नयी दिल्ली। नयी दिल्ली बार एसोसिएशन ने बुधवार को कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह के लिए की जा रही तैयारियों के तहत यहां स्थित पटियाला हाउस कोर्ट कुछ दिन कुछ घंटे के लिए बंद रहेगा। बार एसोसिएशन के सचिव तरुण राणा द्वारा हस्ताक्षरित सार्वजनिक सूचना में कहा गया, ह्यह्यमाननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि गणतंत्र दिवस 2026 की तैयारियों के संबंध में, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने आदेश दिया है कि पटियाला हाउस कोर्ट परिसर स्थित नयी दिल्ली (जिला) अदालत 22 जनवरी को अपराह्न 2 बजे से 23 जनवरी को अपराह्न 2 बजे तक बंद रहेगी।

ममता बनर्जी को केंद्र सरकार से टकराने का बहाना चाहिए

पश्चिम बंगाल देश के लिए ऐसा राजनीतिक अखाड़ा बन चुका है। इससे होने वाले राष्ट्रव्यापी नुकसान की ममता बनर्जी सरकार को परवाह नहीं है। ममता बनर्जी का तौर–तरीका ऐसा बन चुका है मानो पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा नहीं होकर एक स्वतंत्र देश हो। ममता किसी न किसी मुद्दे पर केंद्र सरकार से टकराती रही हैं। एक भी मौका केंद्र से टकराव का नहीं छोड़ती है और फिर खुद ही लोकतंत्र खतरे में है का नारा देकर सिर पर आसमान उठा लेती है। नया मामला प्रवर्तन निदेशालय के छापे की कार्रवाई का है। ईडी ने पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दूसरी टीम सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पर छापा मारा था। सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट पहुंच गई। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं।

ममता बनर्जी ने आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई। ममता बनर्जी ने ईडी की छापेमारी के खिलाफ कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के साथ विरोध मार्च निकाला। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि ईडी चुनाव से पहले उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के संवेदनशील दस्तावेज जब्त कर राजनीतिक प्रतिशोध कर रही है। पुलिस ने ममता बनर्जी की शिकायत पर ईडी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर औपचारिक जांच शुरू कर दी। यह मुद्दा कलकत्ता हाईकोर्ट तक गया। कलकत्ता हाइकोर्ट ने रेड मामले में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी ईडी ने आईटी हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर रेड मारकर कुछ कागजात जब्त किए थे। एजेंसी का कहना था कि पार्टी दफ्तर से कुछ भी जब्त नहीं किया है। कोर्ट ने कहा, जब ईडी ने कुछ भी जब्त न करने की बात की है, तो अब इस मामले पर सुनवाई के लिए कुछ नहीं बचता है। याचिका को खारिज कर दी।

अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर कर भारतीय न्याय संहिता के तहत 17 अपराधों की सीबीआई जांच की मांग की। याचिका में ईडी ने आरोप लगाया है कि सीएम ममता बनर्जी, राज्य के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर ने ईडी की रेड में न सिर्फ बाधा डाली बल्कि अधिकारियों को डरा-धमकाकर सबूतों से छेड़छाड़ की। ममता सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि यह मामला चुनावों के बीच उठाया गया है और इससे राजनीतिक माहौल प्रभावित हो सकता है। ईडी चुनावी डेटा चुराने की कोशिश कर रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सवाल किया, क्या लॉर्डशिप को लगता है कि हाईकोर्ट

न्याय नहीं कर सकता? इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा, कृपया हमारे मुंह में शब्द न डालें। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस मामले को गंभीर करार दिया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह एक गंभीर मामला है। हम इस पर परीक्षण करेंगे। अदालत ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी करने का संकेत दिया।

ममता बनर्जी की केंद्र सरकार से टकराने की फेहरिस्त काफी लंबी है। इसका नमूना कोरोना महामारी में केंद्र के साथ टकराव, अम्फन तूफान को लेकर गृह मंत्री के साथ झगड़ा शामिल है। इस क्रम में बंगाली प्रवासी मजदूरों को लेकर केंद्र और बंगाल सरकार के बीच टकराव को कौन भूल सकता है। बंगाल की सीमा पर नेपाल, बांग्लादेश और भूटान से आने वाले ट्रकों को लेकर भी केंद्र और बंगाल सरकार के बीच टकराव हुआ था। हुगली के तेलिनीपाड़ा में हुए दंगे को लेकर सोशल मीडिया में सवाल उठाने पर बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और आईटी सेल प्रभारी अमित मालवीय के खिलाफ हुई रिपोर्ट पर राज्य पुलिस ने सांसद अर्जुन सिंह और लॉकेट बनर्जी समेत कई नेताओं पर मामले दर्ज कर एक और टकराव को जन्म दिया था।

टकराव की इस कड़ी में नया मामला पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति का है राज्य के मौजूदा डीजीपी राजीव कुमार का कार्यकाल इसी महीने 31 जनवरी को खत्म हो रहा है। यूपीएससी ने ममता सरकार को एक बहुत बड़ा झटका दिया। आयोग ने राज्य सरकार द्वारा भेजी गई आईपीएस अधिकारियों की लिस्ट को वापस लौटा दिया। यूपीएससी ने राज्य सरकार की सिफारिश को तकनीकी और कानूनी आधार पर रिजेक्ट कर दिया। दरअसल राज्य सरकार ने नए डीजीपी के चयन के लिए कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भेजे थे। लेकिन आयोग ने इस लिस्ट पर विचार करने से ही इनकार कर दिया। यूपीएससी का कहना है कि पुरानी प्रक्रियाओं में कई खामियां छोड़ी गई थीं। इसके चलते वर्तमान नियुक्ति प्रक्रिया को सही नहीं माना जा सकता है। नियमों के मुताबिक सरकार को एक तय समय सीमा के भीतर यह लिस्ट भेजनी चाहिए थी। यूपीएससी ने साफ तौर पर कहा है कि सरकार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से परमिशन लेनी चाहिए। अब यह मामला कानूनी पेचीदगियों में बुरी तरह फंसता नजर आ रहा है। सरकार के सामने अब कोर्ट जाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा।

गौरतलब है कि पूर्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री आगवानी तक के लिए नहीं आईं और ना ही बैठक में शामिल हुईं। पीएम का दौरा तूफान यास से हुए नुकसान का आकलन करना था। ओडिशा और बंगाल का दौरा तय हो जाने के बाद, दोनों मुख्यमंत्रियों को इस समय बताया गया था। लेकिन ओडिशा ने उस कार्यक्रम के सभी प्रोटोकॉल का पालन किया जबकि वो पीएम के बंगाल के दौरे से पहले था। ममता बनर्जी का आरोप था कि उन्हें पीएम मोदी का इंतजार करना पड़ा। जबकि पीएम को ही ममता का इंतजार करना पड़ा। पीएम के इंतजार करने की बात तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद के ट्वीट से भी पुख्ता हुई थी। ममता बनर्जी अपने हेलीकॉप्टर से उतरकर बैठक की जगह पहुंची जो कि हेलीपैड से सिर्फ 500 मीटर दूर थी। पीएम से मिलकर वो 14.35 पर वापस भी चली गई। इसलिए वो सिर्फ 500 मीटर चलीं और 25 मिनट में वापस चली गईं। उनका पहले वापस जाना भी प्रोटोकॉल के खिलाफ था। इसलिए बंगाल सरकार का ये दावा गलत है कि ममता ने इंतजार किया बल्कि इसके उलट पीएम को ही इंतजार करना पड़ा था।

केंद्र के साथ ममता के टकराव में बड़ा पेंच शारदा चिटफंड घोटाले ने भी बढ़ाया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जांच कर रही सीबीआई के अधिकारी तत्कालीन कोलकाता पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार से पूछताछ के लिए पश्चिम बंगाल पहुंची थी और उसे राज्य पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पहले सीबीआई अधिकारियों को पुलिस कमिश्नर के घर घुसने नहीं दिया गया और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई अधिकारियों की गिरफ्तारी के बाद खुद सीएम ममता बनर्जी पुलिस कमिश्नर के घ? पहुंचकर ध?ने पर बैठ गईं। शारदा चिट फंड घोटाले की जांच का नेतृत्व कर रहे तत्कालीन पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार पर सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप था और इसी मामले में पूछताछ करने सीबीआई वहां पहुंची थी। वर्ष 2021 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और बंगाल बीजेपी प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय प्रदेश का दौरा कर रहे थे कि अचानक उनके काफिले पर पत्थरबाजी की घटना सामने आई। इस पर तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने बंगाल की ममता सरकार को आड़े हाथ लिया था। दूसरे राज्यों में भी गैरभाजपा सरकारें हैं, किन्तु जिस तरह का विरोध ममता सरकार की तरफ से केंद्र का किया जाता रहा है, उससे साफ जाहिर है कि संविधान में मौजद केंद्र के अधिकारों की उसे परवाह नहीं है। ममता का विरोध ज्यादातर मुद्दों पर कानूनी कम और राजनीतिक ज्यादा नजर आता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पीली ऋतु में ज्ञान का प्रकाश : बसंत पंचमी, सरस्वती और भारत की चेतना

-सुरेश गांधी

मुझको अगम स्वर ज्ञान दो, मां सरस्वती! वरदान दो।। जिस उत्साह और उल्लास के साथ मनुष्य ने जीवन में परिवर्तन का स्वागत किया, वही उत्सव कालांतर में पर्व और परंपरा बन गए। बसंत पंचमी उसी सुखद परिवर्तन का सांस्कृतिक उत्सव है। यह केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि प्रकृति, ज्ञान, कला, संगीत और भारतीय चेतना के नवजागरण का पर्व है। शीत की कठोरता ढलने लगती है, धरती पीली आभा ओढ़ लेती है और मनुष्य के भीतर सीखने-समझने की नई ललक जन्म लेती है। बसंत पंचमी माघ शुक्ल पंचमी को आती है। इस साल यह पर्व 23 जनवरी (शुक्रवार) को मनाया जाएगा। पंचमी तिथि का सूर्योदयकाल में विद्यमान होना इस तिथि को और अधिक फलदायी बनाता है। भारतीय कालगणना में यह सूक्ष्मता केवल गणित नहीं, बल्कि जीवन के अनुशासन का प्रतीक है, हम समय को न केवल गिनें, बल्कि समझें। खास यह है कि इस वर्ष बसंत पंचमी पर उत्तर भद्रपदा नक्षत्र और शिव योग का संयोग बनता है, जो ज्ञान, स्थिरता, मनोबल और साधना के लिए अनुकूल माना गया है। यह संयोग बताता है कि यह दिन केवल बाह्य उल्लास का नहीं, बल्कि आंतरिक अनुशासन और बौद्धिक साधना का भी है। विद्यारंभ, कला-अभ्यास, लेखन, संगीत-साधना, इन सभी के लिए यह काल विशेष फलदायी है

जब धरती ओढ़े पीतवसन और मन करे सरस्वती वंदन

भारतीय परंपरा में पर्व केवल धरती पर नहीं मनाए जाते, आकाश भी उसमें सहभागी होता है। बसंत पंचमी उन्हीं पर्वों में से एक है, जो न सिर्फ भारत की सांस्कृतिक चेतना बल्कि समय के साथ बहती हुई सभ्यता की आत्मा का उत्सव हैं। यह ऋतु का आगमन भर नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक, सौंदर्य और सृजन के पुनर्जागरण का उत्सव है। बसंत पंचमी परिवर्तन का पर्व है, ऋतु का, मन का और चेतना का। यह केवल मौसम बदलने की सूचना नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति और ज्ञान के सामूहिक जागरण का संकेत है। पीली आभा में लिपटी धरती, सरसों की धानी चादर, झरते फूल, गुनगुनाती हवा और लोकगीतों में तैरती फाग की तान, सब मिलकर बताते हैं कि बसंत आ चुका है।

माघ शुक्ल पंचमी को मनाया जाने वाला यह पर्व शीत की कठोरता के बाद जीवन में आने वाली कोमलता का संकेत देता है, जब धरती पीले फूलों से सजती है, खेतों में सरसों लहलहाती है और मनुष्य के अंतःकरण में सीखने की नई तृष्णा जाग उठती है। यह सिखाती है कि राष्ट्र की वास्तविक शक्ति हथियारों या संपत्ति में नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक और संस्कार में निहित है। जहां सरस्वती का वास होता है, वहां लक्ष्मी और शक्ति स्वतः विराजमान होती हैं। पीली धूप, झरते फूल और वीणा की मधुर तान के बीच भारत हर वर्ष यह संकल्प दोहराता है, वह अज्ञान से ज्ञान, अंधकार से प्रकाश और अराजकता से अनुशासन की ओर निरंतर अग्रसर रहेगा।

इस वर्ष में पंचमी तिथि 23 जनवरी को अर्धरात्रि 2 बजकर 28 मिनट से प्रारंभ होकर 24 जनवरी को अर्धरात्रि 1 बजकर 46 मिनट तक रहेगी। इस दिन सरस्वती पूजा का सर्वाधिक शुभ समय प्रातः 7 बजकर 15 मिनट से दोपहर 12 बजकर 50 मिनट तक माना गया है। मान्यता है कि इस काल में पूजा, विद्यारंभ और विद्या-साधना करने से श्रेष्ठ फल प्राप्त होते हैं। भारतीय कालगणना में यह केवल समय का निर्धारण नहीं, बल्कि जीवन के अनुशासन और संतुलन का प्रतीक है, शुभ कार्य शुभ समय में हों।

ऋतु का आगमन, प्रकृति का उत्सव

बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु का आगमन माना जाता है। सरसों की धानी चादर, पीले फूलों की झरन, गुनगुनाती हवाएं और लोकगीतों की तान, सब मिलकर बताते हैं कि प्रकृति नवयौवना हो उठी है। ह्यसरसैया क फुलवा झर लागा, फागुन में बाबा देवर लागाह्ल, ऐसे बोलों के साथ गांवों में फाग की परंपरा आरंभ होती है, जो अगले चालीस दिनों तक लोकजीवन में उल्लास घोलती रहती है।

ज्ञान, कला और वाणी की देवी : मां सरस्वती

बसंत पंचमी का मूल स्वर मां सरस्वती की आराधना है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इसी दिन ब्रह्मा जी ने सत्वगुण से देवी सरस्वती को प्रकट किया। कमलासन पर विराजमान, चार भुजाओं में वीणा, पुस्तक, माला और वरमुद्रा, यह स्वरूप भारतीय सभ्यता में ज्ञान की पूर्ण परिकल्पना है। कथाओं में आता है कि सृष्टि की रचना के बाद ब्रह्मा जी ने जब अपनी बनाई दुनिया को नीरव पाया, तब भगवान विष्णु के परामर्श पर सरस्वती का आह्वान किया। जैसे ही माता ने वीणा के तार छुए, सृष्टि में पहला स्वर गूंजा। हवाओं को सरसराहट, नदियों को कलकल और जीवों को वाणी मिली। तभी से माता वागेश्वरी और वीणापाणि कहलायीं।

विद्यारंभ : अक्षर से जीवन की यात्रा

बसंत पंचमी को विद्यारंभ संस्कार का विशेष महत्व है। बच्चे के हाथ में पहली बार कलम पकड़वाना केवल पढ़ाई की शुरूआत नहीं, बल्कि संस्कृति और संस्कार का हस्तांतरण है। यह संदेश है कि सीखना जीवनभर चलने वाली यात्रा है। आज के समय में, जब शिक्षा को केवल नौकरी का साधन बना दिया गया है, विद्यारंभ हमें याद दिलाता है कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य बनाना है, केवल कर्मचारी या रोजगार नहीं।

पीला रंग : आशा, समृद्धि और ज्ञान

बसंत पंचमी पर पीला रंग केवल परिधान या प्रसाद तक सीमित नहीं। यह सूर्य, अन्न, समृद्धि और विवेक का प्रतीक है। मां सरस्वती को पीले पुष्प, पीले वस्त्र, हल्दी और केसर प्रिय हैं। खीर, पीले चावल और हलुवा भोग में अर्पित किए जाते हैं। मान्यता है कि इस दिन मां को कलम अर्पित कर उसी से कार्य आरंभ करना विद्या और वाणी में सिद्धि देता है। सरसों के खेत, टेसू के फूल, केसरिया आकाश, सब मिलकर जीवन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं। पीला रंग यह भी बताता है कि जीवन में आनंद चमक-दमक से नहीं, बल्कि सरलता से आता है। जहाँ हर पीला फूल यह कहता है कि सीखना कभी खत्म नहीं होता, और हर वीणा की तान यह स्मरण कराती है कि वाणी जब संयमित होती है, तभी वह सरस्वती बनती है।

विविधता में एकता

उत्तर भारत में पतंगों से भरा आकाश, पश्चिम बंगाल में भव्य सरस्वती पूजा पंडाल, बिहार-पूर्वांचल में बसंती गीत, राजस्थान में लोकनृत्य, बसंत पंचमी भारत की सांस्कृतिक बहुलता का उत्सव है। यह पर्व बताता है कि भाषा, वेश और रीति भले अलग हों, पर संवेदना एक है। यही भारत की ताकत हैकृविविधता में समरसता।

शुभ कार्यों का श्रेष्ठ दिवस

पुराणों में बसंत पंचमी को नवीन कार्यों के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। विद्यारंभ, नवीन विद्या ग्रहण, गृह प्रवेश, लेखन, संगीत और कला-साधना. इस दिन भगवान विष्णु, कामदेव और रति की भी पूजा होती है। सूर्य के कुंभ राशि में प्रवेश के साथ मधुमास आरंभ होता है। शुक्र ग्रह का प्रभाव बढ़ता है, जिससे वातावरण सौंदर्य, प्रेम और सृजन से भर उठता है।

श्रीकृष्ण, सरस्वती और बसंत

भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं, ऋतूनां कुसुमाकरः, ऋतुओं में मैं वसंत हूं। इसी कारण मथुरा-वृंदावन और ब्रज क्षेत्र में बसंत पंचमी विशेष उल्लास से मनाई जाती है। मान्यता है कि मां सरस्वती की प्रथम पूजा श्रीकृष्ण और ब्रह्मा जी ने की। श्रीकृष्ण ने देवी को वरदान दिया कि माघ शुक्ल पंचमी को उनका पूजन करने से विद्या की सिद्धि होगी।

शक्ति के विविध स्वरूप

मत्स्यपुराण, ब्रह्मवैवर्त पुराण, स्कंद पुराण और मार्कण्डेय पुराण में देवी सरस्वती को शारदा, भारती, वाग्देवी, हंसवाहिनी, प्रज्ञापारमिता जैसे नामों से स्मरण किया गया है। दुर्गा सप्तशती में महासरस्वती को आदिशक्ति का स्वरूप माना गया है। शास्त्रों में यह भी उल्लेख है कि वसंत पंचमी के दिन नील सरस्वती का पूजन करने से धन और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है।

वीरता और बलिदान

बसंत पंचमी का संबंध पृथ्वीराज चौहान के आत्मबलिदान से भी जुड़ा है। 1192 ईस्वी में इसी दिन उन्होंने शब्दभेदी बाण से मोहम्मद गौरी का अंत किया। इसी तिथि को लाहौर के वीर हकीकत का बलिदान भी स्मरणीय है, जिन्होंने धर्म और स्वाभिमान की रक्षा के लिए बाल अवस्था में प्राण न्यौछावर कर दिए। आज भी लाहौर में बसंत पंचमी पर पतंगें उड़ाकर उनकी स्मृति को नमन किया जाता है।

ज्योतिष और साधना

ज्योतिष में विद्या का संबंध पंचम भाव से माना गया है। जिनकी शिक्षा में बाधाएं आती हैं, वे बसंत पंचमी को मां सरस्वती की साधना कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस दिन मंत्र-जप, अध्ययन और ध्यान विशेष फलदायी माना गया है,

या कुन्देन्दु तुषारहार धवला...
शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमाम...

ज्ञान ही राष्ट्र की असली पूंजी

बसंत पंचमी का केंद्र माँ सरस्वती हैं, ज्ञान, वाणी, संगीत और कला की अधिष्ठात्री देवी। श्वेत वस्त्र, वीणा, पुस्तक और कमल, ये सब केवल प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय दृष्टि में ज्ञान के चार स्तंभ हैः शुद्धता, साधना, अध्ययन और सौंदर्य। सरस्वती पूजा का अर्थ केवल देवी-आराधना नहीं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति है कि ज्ञान के बिना शक्ति अंधी है और विवेक के बिना प्रगति खोखली। आज जब सूचना का अंबार है, पर ज्ञान दुर्लभ होता जा रहा है; जब बोलने की स्वतंत्रता है, पर वाणी में संयम नहीं, तब सरस्वती का स्मरण हमें शब्दों की जिम्मेदारी और विचारों की मर्यादा सिखाता है।

कृषि और प्रकृति : धरती का धन्यवाद

बसंत पंचमी किसान के लिए भी विशेष है। यह रबी फसल के अच्छे संकेतों का पर्व है। प्रकृति के साथ संवाद करने वाली भारतीय परंपरा में यह दिन धरती के प्रति कृतज्ञता का भी है। आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, बसंत पंचमी हमें प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का पाठ पढ़ाती हैकृशोषण का नहीं, संरक्षण का।

शिक्षा, संस्कृति और संकट

आज का भारत तेजी से बदल रहा है। तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, पर मन को जटिल भी। शिक्षा व्यवसाय बन रही है, भाषा में कटुता बढ़ रही है और कला हाशिये पर जा रही है। ऐसे समय में बसंत पंचमी हमें ठहरकर सोचने को कहती है कि क्या हम ज्ञान की पूजा कर रहे हैं या केवल सूचना की खपत? सरस्वती का आवाहन हमें यह भी सिखाता है कि राष्ट्र की उन्नति केवल आर्थिक सूचकों से नहीं, बल्कि बौद्धिक ईमानदारी, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और नैतिक विवेक से होती है।

काशी से कलकत्ता तकः एक सांस्कृतिक धारा

काशी, जहां ह्यकाश्यां मरणान्मुक्तिह्ल की अवधारणा है, और कलकत्ता, जहां सरस्वती पूजा सामाजिक उत्सव बन जाती है, दोनों ध्रुवों के बीच बहती है भारत की सांस्कृतिक गंगा। बसंत पंचमी इस धारा का संगम है, जहाँ अध्यात्म और आधुनिकता एक-दूसरे से संवाद करते हैं।

पूजा-विधिः अनुशासन और सौंदर्य

बसंत पंचमी की पूजा सरल है, पर अर्थगर्भित। स्वच्छता, पीले वस्त्र, पुस्तकें और वाद्य यंत्र, ये सब बतलाते हैं कि ज्ञान की साधना में अनुशासन और सौंदर्य दोनों आवश्यक हैं। प्रसाद में केसरिया हलवा या पीले पकवान केवल स्वाद नहीं, बल्कि उत्सव की मिठास हैं।

युवा पीढ़ी और संदेश

आज की युवा पीढ़ी के लिए बसंत पंचमी एक प्रश्न भी है, क्या हम सीखने के लिए जिज्ञासु हैं? क्या हम असहमति को संवाद में बदल सकते हैं? क्या हम अपनी भाषा, कला और परंपरा पर गर्व कर सकते हैं? यदि हाँ, तो बसंत पंचमी केवल कैलेंडर का पर्व नहीं, बल्कि भविष्य की तैयारी है।

श्रीकृष्ण और सरस्वती की प्रथम पूजा

भगवद्गीता के दशम अध्याय में श्रीकृष्ण कहते हैं, ह्यऋतूनां कुसुमाकरःह्ल ऋतुओं में मैं वसंत हूं। इसी कारण मथुरा और ब्रज क्षेत्र में बसंत पंचमी विशेष उल्लास से मनाई जाती है। पौराणिक कथा के अनुसार, मां सरस्वती की प्रथम पूजा श्रीकृष्ण और ब्रह्मा जी ने की। श्रीकृष्ण ने देवी को वरदान दिया कि माघ शुक्ल पंचमी को उनका पूजन करने से विद्या की सिद्धि होगी। तभी से यह दिन सरस्वती पूजा का महापर्व बन गया।

शक्ति के विविध रूप और शास्त्रीय मान्यताएं

मत्स्यपुराण, ब्रह्मवैवर्त पुराण, स्कंद पुराण और मार्कण्डेय पुराण में देवी सरस्वती को शारदा, भारती, वाग्देवी, हंसवाहिनी, प्रज्ञापारमिता जैसे नामों से स्मरण किया गया है। दुर्गा सप्तशती में महासरस्वती को आदिशक्ति का स्वरूप माना गया है। मान्यता है कि वसंत पंचमी के दिन नील सरस्वती का पूजन करने से धन और समृद्धि के मार्ग प्रशस्त होते हैं।

वर्दी, मर्यादा और विश्वास का संकट

-प्रियंका सौरभ

(कर्नाटक डीजीपी प्रकरण के संदर्भ में)

लोकतंत्र में सत्ता का सबसे संवेदनशील और प्रभावशाली चेहरा पुलिस व्यवस्था होती है। पुलिस केवल कानून लागू करने वाली संस्था नहीं, बल्कि राज्य की नैतिक शक्ति का प्रतीक भी है। जब इसी व्यवस्था का कोई शीर्ष अधिकारी गंभीर नैतिक आरोपों में घिरता है, तो सवाल केवल व्यक्ति विशेष तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरे तंत्र की साख, जवाबदेही और आचरण पर उठ खड़े होते हैं। कर्नाटक के एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और डीजीपी (सिविल राइट्स एन्फोर्समेंट) को कथित आपत्तिजनक वीडियो सामने आने के बाद निलंबित किया जाना इसी गहरे संकट की ओर संकेत करता है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए कथित वीडियो क्लिप्स ने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी। राज्य सरकार द्वारा त्वरित निलंबन का निर्णय इस बात का संकेत है कि मामला केवल निजी आचरण तक सीमित नहीं माना गया, बल्कि सार्वजनिक पद की गरिमा और संस्थागत प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ समझा गया। हालांकि, यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी भी व्यक्ति को कानूनन दोषी ठहराने से पहले निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो। लोकतंत्र का यही संतुलन है—न तो आरोपों को नजरअंदाज करना और न ही जांच से पहले निर्णय सुना देना।

पुलिस वर्दी एक साधारण पोशाक नहीं होती। यह नागरिकों और राज्य के बीच विश्वास का प्रतीक होती है। विशेष रूप से डीजीपी स्तर का अधिकारी केवल आदेश देने वाला प्रशासक नहीं, बल्कि पूरे बल के लिए नैतिक मानक तय करने वाला चेहरा होता है। उसके आचरण से यह संदेश जाता है कि व्यवस्था किस दिशा में खड़ी है।

जब किसी शीर्ष अधिकारी पर ऐसे आरोप लगते हैं, तो आम नागरिक के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि यदि नीति निर्धारण और अनुशासन लागू करने वाले ही मर्यादाओं को लेकर लापरवाह हों, तो व्यवस्था से न्याय की उम्मीद कैसे की जाए? यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत आचरण सार्वजनिक चिंता का विषय बन जाता है। यह प्रकरण एक और महत्वपूर्ण पहलू को उजागर करता है—सोशल मीडिया का प्रभाव। आज किसी भी कथित वीडियो या सामग्री का कुछ ही घंटों में व्यापक प्रसार हो जाता है। इससे एक ओर पारदर्शिता बढ़ी है, तो दूसरी ओर अफवाह, संपादन और दुरुपयोग का खतरा भी। इसलिए राज्य और जांच एजेंसियों के सामने दोहरी चुनौती होती है—जनभावना का सम्मान करते हुए भी तथ्यों की गहराई से पड़ताल करना।

सोशल मीडिया पर वायरल सामग्री को आधार बनाकर प्रशासनिक कार्रवाई करना एक संवेदनशील निर्णय होता है। कर्नाटक सरकार द्वारा निलंबन का फैसला यह दशार्ता है कि प्रारंभिक स्तर पर ही जवाबदेही तय करने की कोशिश की गई, ताकि जांच निष्पक्ष वातावरण में हो सके। निलंबन स्वयं में दंड नहीं, बल्कि जांच के लिए रास्ता साफ करने की प्रक्रिया है—यह तथ्य समझना भी जरूरी है।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि किसी अधिकारी का निजी जीवन उसके काम से अलग होना चाहिए। सिद्धांत रूप में यह बात सही लग सकती है, लेकिन उच्च संवैधानिक या प्रशासनिक पदों पर बैठे लोगों के लिए निजी और सार्वजनिक जीवन के बीच की रेखा बहुत पतली होती है। कारण साफ है—उनका हर आचरण संस्था की छवि से जुड़ जाता है।

यदि कथित कृत्य ऐसे हों जो सार्वजनिक नैतिकता, महिला सम्मान या पद की गरिमा के विपरीत माने जाएँ, तो उन्हें केवल ह्लनिजी मामलाह्व कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। विशेषकर तब, जब वे कृत्य सार्वजनिक प्रतीकों, वर्दी या आधिकारिक वातावरण से जुड़े होने का आरोप झेल रहे हों।

इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा प्रश्न व्यक्ति से आगे जाकर संस्थागत जवाबदेही का है। क्या हमारी प्रशासनिक संरचना में ऐसे तंत्र पर्याप्त रूप से मजबूत हैं, जो समय रहते आचरण संबंधी विचलनों को पहचान सकें? क्या वरिष्ठ अधिकारियों के लिए आंतरिक आचार संहिता केवल कागजों तक सीमित रह गई है?

आईपीएस जैसे प्रतिष्ठित कैडर से समाज अपेक्षा करता है कि वह न केवल कानून लागू करे, बल्कि नैतिक नेतृत्व भी प्रदान करे। यदि किसी एक अधिकारी की कथित चूक पूरे बल की छवि पर प्रश्नचिह्न लगा देती है, तो यह संकेत है कि आंतरिक निगरानी और नैतिक प्रशिक्षण पर नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता है।

किसी भी लोकतांत्रिक राज्य में सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह होता है कि कानून सबके लिए समान है। चाहे वह आम नागरिक हो या सर्वोच्च पद पर बैठा अधिकारी। यदि जांच के बाद आरोप सिद्ध होते हैं, तो कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जो यह स्पष्ट करे कि पद, प्रभाव और पहचान कानून से ऊपर नहीं हैं।

साथ ही, यदि आरोप असत्य या बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किए गए पाए जाते हैं, तो यह भी उतना ही आवश्यक है कि संबंधित अधिकारी की प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित किया जाए। न्याय का अर्थ केवल दंड देना नहीं, बल्कि सत्य की स्थापना भी है।

आम नागरिक पुलिस से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि नैतिक आश्वासन भी चाहता है। वह यह विश्वास करना चाहता है कि जिन हाथों में कानून की बागडोर है, वे स्वयं कानून और मर्यादा के दायरे में हैं। जब ऐसे प्रकरण सामने आते हैं, तो जनता का भरोसा डगमगाता है—और यही किसी भी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा होता है।

इसलिए सरकारों और संस्थानों की जिम्मेदारी केवल तात्कालिक कार्रवाई तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्हें यह भी सोचना होगा कि भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति न हो—इसके लिए प्रशिक्षण, मनोवैज्ञानिक परामर्श, नैतिक मूल्यांकन और जवाबदेही की स्पष्ट प्रक्रियाएँ विकसित करनी होंगी।

कर्नाटक डीजीपी प्रकरण केवल एक अधिकारी के कथित आचरण का मामला नहीं है। यह उस व्यापक प्रश्न का प्रतीक है कि सत्ता, नैतिकता और जवाबदेही के बीच हमारा संतुलन कितना मजबूत है। निलंबन एक प्रारंभिक कदम है, अंतिम निष्कर्ष नहीं। असली कसौटी निष्पक्ष जांच, पारदर्शी प्रक्रिया और न्यायसंगत निर्णय में होगी।

लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब संस्थाएँ स्वयं को सुधारने का साहस दिखाती हैं। वर्दी की गरिमा, पद की मर्यादा और जनता का विश्वास—इन तीनों की रक्षा के लिए यह आवश्यक है कि कानून बिना भय और पक्षपात के अपना काम करे। यही इस पूरे प्रकरण से निकलने वाला सबसे महत्वपूर्ण संदेश होना चाहिए।

बाबा सोमनाथ स्वाभिमान, आस्थारूपी केंद्र का अभिमान

-विक्रम दयाल

यह एक बहुत ही सुंदर और भावनात्मक वाक्य है। यह बाबा सोमनाथ जी के प्रति आस्था और सम्मान को दशार्ता है। बाबा सोमनाथ जी एक पवित्र और ऐतिहासिक धर्म स्थल है, जो हिंदू समुदाय के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। उपरोक्त वाक्य बाबा सोमनाथ के महत्व को उजागर करता है और लोगों को इसके प्रति आस्था और सम्मान को रखने के लिए प्रेरित करता है। बाबा सोमनाथ जी एक ऐसा नाम है जो हिंदू समुदाय के लिए बहुत ही महत्व रखता है। यह पवित्र स्थान गुजरात के सोमनाथ जिले में स्थिति है, जो भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। बाबा सोमनाथ जी का मंदिर न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का भी प्रतीक है। बाबा सोमनाथ जी का इतिहास बहुत पुराना है, और यह कई सदियों से भक्तों के लिए पवित्र स्थल रहा है। यह मंदिर कई बार नष्ट किया गया है, लेकिन हर बार इसे फिर से बनाया गया है। बाबा सोमनाथ जी का वर्तमान मंदिर 1951 में। बनाया गया था, और यह भारत की स्वतंत्रता के बाद बनाया गया पहला प्रमुख मंदिर है। बाबा सोमनाथ जी का स्वाभिमान और आस्था का केंद्र होना इसका महत्व और भी बढ़ाता है। यह मंदिर न केवल भक्तों के लिए एक पवित्र स्थल हैं, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का भी प्रतीक है। बाबा सोमनाथ जी का. महत्व हमेशा रहेगा, और यह भक्तों के लिए एक पवित्र स्थल बना रहेगा। बाबा सोमनाथ के दर्शन के लिए भक्तों को गुजरात के सोमनाथ जिले में जाना होता है। यह मंदिर हर साल लाखों भक्तों को आकर्षित करता है, जो भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था और भक्ति प्रकट करने के लिए आते हैं। बाबा सोमनाथ जी का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, यह मंदिर आने वाले समय में और भी प्रसिद्ध होगा। यह मंदिर न केवल भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है, बल्कि यह दुनिया भर के भक्तों के लिए एक पवित्र स्थल भी है। बाबा सोमनाथ जी के कई चमत्कारिक विंदु है, जो उनकी महानता और शक्ति को दशार्ते हैं। समुद्र से बीच स्थितः बाबा सोमनाथ जी का मंदिर समुद्र के बीच में स्थित है, जो एक चमत्कारिक बात है। मंदिर के चारो ओर समुद्र है, और यह मंदिर समुद्र के पानी से घिरा हुआ है। ज्योतिर्लिंगः बाबा सोमनाथ जी का मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जो एक चमत्कारिक बात है। ज्योतिर्लिंग भगवान शिव की शक्ति और महानता का प्रतीक है। स्वयं प्रकटः बाबा सोमनाथ का मंदिर स्वयं प्रकट हुआ है, जो एक चमत्कारिक बात है। मंदिर के अनुसार, भगवान शिव ने स्वयं इस स्थान पर प्रकट होकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया था। चमत्कारिक जलः बाबा सोमनाथ जी के मंदिर में चमत्कारिक जल है, जो सभी प्रकार के रोगों को दूर करने की शक्ति रखता है। इस जल को पीने से लोगों को स्वास्थ्य लाभ होता है। आशीवार्दः बाबा सोमनाथ जी का मंदिर आशिर्वाद देने वाला है। जो भी भक्त इस मंदिर में आता है, उसे बाबा सोमनाथ जी का आशीर्वाद मिलता है। शक्ति का केंद्रः बाबा सोमनाथ जी का मंदिर शक्ति का केंद्र है। यहाँ आने वाले लोगों को शक्ति और उर्जा मिलती है। चमत्कारिक पत्थरः बाबा सोमनाथ जी के मंदिर में एक चमत्कारिक पत्थर है, जो भक्तों को आकर्षित करता है। इस पत्थर को छूने से भक्तों को शक्ति और उर्जा मिलती है।

बी. एन. एन. महाविद्यालय में अंतर महाविद्यालयीन व्यवसाय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का किया गया भव्य आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल द्वारा संचालित बी. एन. एन. महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से अंतरमहाविद्यालयीन व्यवसाय विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को भिवंडी परिसर के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की ओर से उत्स्फूर्त प्रतिसाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डा. शशिकांत म्हाळुंकर ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा के महत्व तथा प्रतिस्पर्धात्मक युग में नई कल्पनाओं की उपयोगिता पर मार्गदर्शन किया। उपप्राचार्य डा. सुधीर निकम ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर रजिस्ट्रार नरेश शिरसाळे, डा. प्रदीप शिंपी, डा. सुरेखा धेंडे सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी. एन. एन. महाविद्यालय के तृतीय वर्ष बी.ए.एफ. के विद्यार्थियों ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान जी. एम. मोमीन महाविद्यालय के विद्यार्थियों को तथा तृतीय स्थान बी. एन. एन. महाविद्यालय के कला संकाय के विद्यार्थियों को मिला। विजेताओं को स्मृति-चिन्ह एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का परीक्षण प्रा. डा. किशोर आगिवले एवं प्रा. राजेश देसले ने किया। विद्यार्थियों को विभिन्न उद्योग-व्यवसायों का ज्ञान प्राप्त हो तथा नवाचार विकसित करने की तकनीकें सीखने का अवसर मिले प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य था। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन डा. सोनम मोरे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डा. कुलदीप राठौड ने किया। प्रतियोगिता को बनाने हेतु प्रा. संजू पांडे, प्रा. ऋतुपर्णा सोनवणे एवं प्रा. प्रियंका भोईर ने विशेष परिश्रम किए।

भिवंडी में परोपकारी संस्था द्वारा जरूरतमंद 250 परिवारों को किया गया राशन किट वितरण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। सामाजिक कार्यों में अग्रणी परोपकारी संस्था की ओर से हाल ही में शहर के 250 जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क राशन किट का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम पद्मानगर स्थित पद्मशाली समाज सभागृह में आयोजित किया गया।इस अवसर पर संस्था भिवंडी के अध्यक्ष मनोज दुधानी, राजू गाजेगी, रमेश मुंधड़ा, नारायण बाहेती, पवन बागड़ी, ओमप्रकाश झंवर, ओम सोमाणी, संजय कोठारी, द्वारका आसवा, मुरली टपरिया तथा भिवंडी महिला माहेश्वरी समाज की अध्यक्षा बबीता आसवा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रत्येक परिवार को 10 किलो का राशन किट वितरित किया गया। इस किट में चावल, गेहूं, दाल, तेल, मसाले, चाय पाउडर, चीनी आदि आवश्यक सामग्री शामिल थी। परोपकारी संस्था द्वारा किए गए इस सेवा कार्य की उपस्थित मान्यवरों ने सराहना की।

वसई-विरार महानगरपालिका चुनाव 2026, प्रभाग क्रमांक 18 में भाजपा की शानदार जीत

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। वसई-विरार महानगरपालिका चुनाव 2026 में प्रभाग क्रमांक 18, संतोष भवन से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार गणेश पाटील एवं ख्याति घरत शानदार जीत हासिल की। इस ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में भाजपा पालघर जिला सचिव सत्यप्रकाश सिंह तथा बोईसर मंडल अध्यक्ष महेंद्र भोणे ने विजयी उम्मीदवारों का साल एवं पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत करते हुए हार्दिक बधाइयाँ दी। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने कहा कि यह जीत संगठन की एकजुटता, कार्यकताओं के अथक परिश्रम और जनता के अडिग विश्वास का सशक्त प्रमाण है। चुनाव अभियान के दौरान जमीनी स्तर पर किये गये कार्य, जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्धता और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण ने मतदाताओं का भरोसा मजबूत किया। विजयी उम्मीदवार गणेश पाटील और ख्याति घरत ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, पारदर्शी प्रशासन और नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। अंत में दोनों विजयी उम्मीदवारों को आगामी कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए एवं संगठन को और अधिक मजबूती देने का संकल्प दोहराया गया।

वसई-विरार महानगरपालिका में विपक्ष के नेता पद को लेकर उत्सुकता

महेश सरवणकर या मनोज पाटील, भाजपा किसे सौंपेगी जिम्मेदारी?

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार महानगरपालिका में विपक्ष के नेता पद को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के दो नवनिर्वाचित नगरसेवकों–महेश सरवणकर और मनोज पाटील–के नामों पर चर्चा जोरों पर है, जिससे पार्टी कार्यकताओं और राजनीतिक जानकारों में उत्सुकता बनी हुई है।

भाजपा के नवनिर्वाचित नगरसेवक महेश सरवणकर अपनी आक्रामक और स्पष्ट भूमिका के लिए वसई क्षेत्र में जाने जाते हैं। महानगरपालिका में भ्रष्टाचार और सामाजिक समस्याओं के खिलाफ उन्होंने लगातार मुखर भूमिका निभाई है। वे पिछले चार वर्षों से भारतीय जनता पार्टी, वसई रोड मंडल के अध्यक्ष हैं। उनके कार्यकाल में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में वसई रोड मंडल में भाजपा को उल्लेखनीय सफलता मिली।

महानगरपालिका चुनाव में महेश सरवणकर ने बहुजन विकास आघाड़ी की तीन बार की नगरसेवक एवं पूर्व सभापति उमा पाटील को भारी मतों से पराजित किया। इस जीत के बाद उन्हें वसई क्षेत्र में ह्यजायंट किलरह्व के नाम से भी जाना जाने लगा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि महेश सरवणकर को विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी दी जाती है, तो महापालिका प्रशासन पर प्रभावी अंकुश रखा जा सकेगा।

दूसरी ओर, मनोज पाटील का नाम भी विपक्ष के नेता पद के लिए चर्चा में है। वे आरएसएस से लंबे समय से जुड़े रहे हैं, भाजपा में वसई विधानसभा के तीन वर्षों तक निर्वाचन प्रमुख रह चुके हैं और एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाते हैं। हाल ही में वे नगरसेवक के रूप में निर्वाचित हुए हैं, जिससे उनकी दावेदारी भी मजबूत मानी जा रही है।

अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि भारतीय जनता पार्टी इन दोनों में से किसे वसई-विरार महानगरपालिका में विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी सौंपती है। पार्टी के निर्णय का इंतजार कार्यकताओं के साथ-साथ स्थानीय राजनीति पर नजर रखने वालों को भी है।

सैंडविजा ने मालाड में नया आउटलेट खोला

मुंबई। मुंबई का पसंदीदा घरेलू क्विक सर्विस रेस्टोरेंट ब्रांड, सैंडविजा, जो अपने शानदार सैंडविच और बेहतरीन स्वाद के लिए जाना जाता है, ने मालाड में अपना नया आउटलेट खोलकर शहर में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। यह विस्तार ब्रांड की उसी निरंतर विकास यात्रा का हिस्सा है, जिसकी शुरूआत इसी शहर से हुई थी। सैंडविजा ने शुरूआती दिनों से ही ग्राहकों की दिनचर्या का हिस्सा बनकर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। एक ऐसी जगह जहां त्वरित भोजन, जाना-पहचाना स्वाद और गुणवत्ता का तालमेल मिलता है। मालाड आउटलेट भी इसी सोच के साथ खोला गया है। यह उपनगर अपने रिहायशी इलाकों, ऑफिसों, कॉलेजों और भारी भीड़-भाड़ के लिए जाना जाता है, जो ब्रांड के लिए एक आदर्श स्थान है। इस विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, सैंडविजा के निदेशक, पंकज शर्मा ने कहा, 'मुंबई हमेशा से सैंडविजा की कहानी का केंद्र रहा है। यहां खुलने वाला हर नया आउटलेट हमें व्यक्तिगत जुड़ाव का अहसास कराता है, क्योंकि यह हमारे ग्राहकों की पसंद और उनकी खान-पान की आदतों को समझने का परिणाम है। मालाड एक ऐसा क्षेत्र है जहां लोग सुविधा, परिचित स्वाद और सही कीमत को महत्व देते हैं और यही सैंडविजा की असली पहचान है। मालाड आउटलेट में ब्रांड के सभी प्रसिद्ध शाकाहारी सैंडविच, फ्राइज, पेय पदार्थ और अन्य पसंदीदा व्यंजन उपलब्ध होंगे। यहां सैंडविजा के किफायती होने और गुणवत्ता बनाए रखने के वादे को पूरी तरह निभाया जाएगा। भोजन के साथ-साथ, यहां रिफ्रेशिंग ड्रिंक्स, थिक मिल्कशेक, फ्रैपे और चाय-कॉफी के विकल्प भी मिलेंगे।

मुंबई महानगरपालिका चुनाव में मिली ऐतिहासिक विजय के बाद राजनाथ सिंह से मिले कृपाशंकर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महानगरपालिका चुनाव में भाजपा महायुती को मिली ऐतिहासिक विजय के बाद आज महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश भाजपा के मीडिया पैनलिस्ट ओम प्रकाश सिंह उपस्थित रहे।

कृपाशंकर सिंह ने रक्षा मंत्री को बताया कि इस बार चुनाव में किस तरह उत्तर भारतीय मतदाताओं ने संगठित होकर भाजपा के पक्ष में मतदान कर विजय को सुनिश्चित बनाया। राजनाथ सिंह ने मुंबई समेत मीरा भायंदर, पालघर, ठाणे, नवी मुंबई आदि महानगरपालिकाओं में भी कृपाशंकर सिंह द्वारा ताबड़तोड़ की गई पदयात्राओं तथा जनसभाओं की सराहना करते हुए भाजपा के पक्ष में संगठित रूप से मतदान करने के लिए उत्तर भारतीय मतदाताओं के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

श्री ब्रजमंडल संस्था मुंबई स्वर्ण जयंती पर श्रीमद् ब्रज भागवत कथा का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा में एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने जा रहा है। श्री ब्रजमंडल संस्था, मुंबई अपने स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती महोत्सव को भव्य स्वरूप देने जा रही है। इस पावन अवसर पर आजाद मैदान, मुंबई में 27 जनवरी 2026 से 02 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन सायं 4:00 बजे से 7:00 बजे तक वृंदावन के सुप्रसिद्ध कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी के श्रीमुख से श्रीमद् ब्रज भागवत कथा का दिव्य आयोजन किया जाएगा। इसका शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ होगा, जिसे बागेश्वर सरकार धीरेंद्र शास्त्री संपन्न करेंगे। साथ ही देशभर से अनेक प्रतिष्ठित साधु-संत एवं महात्माओं की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है।

वर्ष 1976 में स्थापित श्री ब्रजमंडल संस्था की नींव पूज्यनीय आधार स्तम्भ शिवचरण लाल, सुरेशचंद जी (अध्यक्ष), रमेशचंद, श्यामलाल एवं टालीवाल के अथक प्रयासों से रखी गई थी। बीते पाँच दशकों में संस्था ने मुंबई में निवासरत ब्रजवासियों को एक सूत्र में बांधते हुए इसे एक सशक्त सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परिवार का स्वरूप दिया है।

ब्रज संस्कृति को जीवंत बनाए रखने की दिशा में संस्था द्वारा गिरगांव चौपाटी प्रांगण में वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही दस दिवसीय श्रीकृष्ण रासलीला और कवि सम्मेलन आज एक विशिष्ट पहचान बन चुकी है। संस्था के अध्यक्ष सुरेशचंद अग्रवाल इस कथा के मुख्य यजमान हैं। उनके साथ रमनलाल चौधरी, अनिल आर. अग्रवाल, राजेश एम. अग्रवाल, अनिल पी. अग्रवाल, भुवनेश अग्रवाल, प्रदीप लाड़ीवाल, विवेक अग्रवाल, कानबिहारी अग्रवाल, सुनील एस. अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, उमेश मित्तल, धर्मेश गर्ग, राजीव अग्रवाल, पवन अग्रवाल, राकेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

श्री ब्रजमंडल संस्था ने मुंबई के समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से इस भव्य और दुर्लभ आध्यात्मिक अवसर का लाभ उठाने, परिवार सहित कथा श्रवण करने और ब्रज भक्ति की पावन रसधारा में सहभागी बनने की भावपूर्ण अपील की है। यह जानकारी अनिल अग्रवाल एवं कमेटी के सदस्यों ने गिरगांव चौपाटी स्थिति ब्रज मंडल सभागृह में एक प्रेस कांफ्रेंस में दी।

गुटखे के गोडाउन पर नवघर थाना पुलिस का छापा

प्रतिबंधित गुटखे के होलसेलर सप्लायर फरार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर पूर्व नवघर पुलिस स्टेशन की हद में केबिन रोड, प्रकाश डेरी की गली में एमबीवीवी जोन एक के डीसीपी राहुल चव्हाण की टीम ने महाराष्ट्र प्रतिबंधित गुटखे के गोडाउन पर छापा मारकर विमल पान मसाला, राजनिवास पान मसाला, शिखर गुटखा बाजीराव गुटखा व अन्य प्रकार का गुटखा टोटल एक लाख रुपए का मुद्देमाल जब्त किया। इस मामले मेंहेंद्र यादव नामक व्यक्ति गुटखा सप्लायर को गिरफ्तार किया। महाराष्ट्र प्रतिबंधित गुटखा के सिलसिले में गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ किया जा रहा है कि गुटखा कहां से लाता था, उस गुटखा होलसेल वाले व्यापारी को पुलिस ने वांटेड बताया है। यह कारवाई एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों व जोन एक डीसीपी राहुल चव्हाण के मार्गदर्शन में पीएस आई उज्जवल आर के, एचसी अभिजीत ठाकुर, पीसी शिवम होपले और नवघर पुलिस स्टेशन की टिम ने संयुक्त रूप से कारवाई किया।

बोईसर में मराठी भाषा संवर्धन पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों में भाषा प्रेम जागृत करने पर दिया गया जोर

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। कोकण मराठी साहित्य परिषद (कोमसाप), बोईसर तारापुर शाखा के तत्वावधान में मराठी भाषा संवर्धन पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन डॉ. होमी भाभा विद्यालय, टी.ए.पी.एस. कॉलोनी, बोईसरझतारापुर में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कोमसाप के जिला प्रतिनिधि सुहास राऊत ने की। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने मराठी भाषा को आत्मिक समृद्धि का महत्वपूर्ण साधन बताते हुए संतकाव्य के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ सामूहिक गायन कराया, जिससे वातावरण भक्तिमय व प्रेरणादायी बन गया। शाखा अध्यक्ष एवं राज्य पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त शिक्षक प्रो. संजय घरत ने वाचन, श्रवण, लेखन और संवाद जैसे भाषा कौशलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा के विकास के लिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं प्रयासरत होना चाहिए। उन्होंने प्रेरक कथा के माध्यम से विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया। पूर्व विस्तार अधिकारी अंजना सावे ने पुस्तक परिचय प्रस्तुत करते हुए मानव मन से जुड़े सजीव उदाहरण देते हुए प्रभावी अभिवाचन किया। वहीं उपाध्यक्ष अजित राणे ने मराठी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए नियमित वाचन को आवश्यक बताते हुए विभिन्न उदाहरणों से अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोमसाप के सदस्य संदीप घरत का विशेष सहयोग रहा। वाचन को एक कला बताते हुए विद्यार्थियों के शुद्ध एवं स्पष्ट उच्चारण हेतु पाठ्यपुस्तकों के अंशों का सामूहिक वाचन भी कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या उमा गोखले तथा गिरासे सर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन हेमलता वरठा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन ऊषा गायकवाड़ ने किया।

उत्तर प्रदेश समाज सेवा संस्था द्वारा 25 जनवरी को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्यक्तियों को किया जायेगा सम्मानित

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के मानसरोवर गेट के समीप स्थित महाराजा गार्डन में उत्तर प्रदेश समाज सेवा संस्था की ओर से उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन रविवार, 25 जनवरी को किया जाएगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, लोककला और परंपराओं को दर्शाने वाले विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में मशहूर फिल्मी कलाकारों, गीतकारों एवं स्थानीय प्रतिभावान कलाकारों द्वारा मनमोहक गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। साथ ही समाज सेवा, शिक्षा, कला, संस्कृति एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान भी किया जाएगा। संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष कृष्ण गोपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने तथा उत्तर भारतीय समाज में आपसी भाईचारे, एकता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने भिवंडी सहित आसपास के समस्त उत्तर भारतीय समाजबंधुओं से बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।कार्यक्रम के अंतर्गत प्रीति-भोज एवं गीत-संगीत का आयोजन सायं 6.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक किया जाएगा। आयोजन को लेकर स्थानीय नागरिकों एवं संस्था के कार्यकताओं में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

श्री रघुनंदन युवा शक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा धूमधाम से मनाई जायेगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ

पालघर(उत्तरशक्ति)। अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के पावन अवसर पर श्री रघुनंदन युवा शक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) की ओर से प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं द्वितीय वर्षगांठ समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन गुरुवार, 22 जनवरी 2026 को श्री हनुमान मंदिर, विजय कॉलोनी (टेप्स गेट के सामने), बोईसर (प.), पालघर में श्रद्धा, भक्ति व उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न होगा।

इस अवसर पर दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जायेगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। सुंदरकांड पाठ के दौरान संपूर्ण परिसर भक्तिरस से सराबोर रहेगा और श्रद्धालु भगवान श्री रघुनंदन के चरणों में अपनी आस्था अर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इसी तिथि को अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई थी, जिसे लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि श्री रघुनंदन युवा शक्ति देवता हैं, घर-घर सुंदरकांड करवाना ही हमारा संकल्प है, इसी भावना के साथ यह महोत्सव

आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव में पधारने वाले सभी श्रद्धालुओं का ट्रस्ट की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया जायेगा। इस आयोजन को सफल बनाने में संयोजक अजीत सिंह एवं मनीष गुप्ता का विशेष योगदान रहेगा। वहीं अवनीश सिंह के समन्वय में राहुल गुप्ता, देवेंद्र सिंह, अरुण सिंह, मोहित मिश्रा, विनय सिंह, बालाजी पवार, अनिल यादव, संतोष गुप्ता, अमित निषाद, जीतेंद्र शाह, प्रशांत जेसरकर एवं अमित निकम सहित अनेक कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएंगे। राम काज किन्हे बिनु मोहि कहाँ विश्राम की प्रेरणा के साथ सेवा और भक्ति भाव को आगे बढ़ाते हुए कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरण किया जायेगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस पावन धार्मिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

फाइंडेबिलिटी साइंसेज बारामती में ग्लोबल शुगर एआई समिट 2026 की मेजबानी करेगा

मुंबई। फाइंडेबिलिटी साइंसेज ने घोषणा की है कि ग्लोबल शुगर एआई समिट 2026 का आयोजन 8 फरवरी 2026 को बारामती, महाराष्ट्र में किया जाएगा। इस समिट का सह-आयोजन एग्रीकल्चर डेवलपमेंट ट्रस्ट, बारामती, पैंटालियन शुगर होल्डिंग्स और यूपीसीएससी (यूनिवर्सिटी/प्लेटफॉर्म फॉर कोलैबोरेटिव शुगरकेन साइंस) द्वारा किया जा रहा है, जबकि स्टोमाटा लैब्स और ऊर्जा बायो सिस्टम्स इसके सहयोगी प्रायोजक हैं। यह सम्मेलन चीनी मूल्य श्रृंखला में एआई के व्यावहारिक उपयोग को आगे बढ़ाने के लिए उत्पादकों, एग्रीटेक नवप्रवर्तकों, नीति-निमार्ताओं और क्षेत्र के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाएगा। भारत दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक देशों में शामिल है, लेकिन मराठवाड़ा जैसे क्षेत्रों को जल संकट और जलवायु दबाव जैसी निरंतर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अनुप्रयुक्त आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किसानों और चीनी मिल संचालकों को उत्पादन बढ़ाने, संसाधनों के बेहतर उपयोग, सिंचाई की प्रभावी योजना और संचालन दक्षता में सुधार करने में मदद कर सकता है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

पुरानी रंजिश में युवक पर धारदार हथियार से हमला, अवैध असलहे से फायरिंग का प्रयास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरूद्दीनपुर गांव में बुधवार की सुबह हुई एक दिल दहला देने वाली घटना में पुराने विवाद को लेकर पट्टीदारों ने एक युवक को घेर कर धारदार हथियार से मारकर बुरी तरह से घायल कर दिया गया। तमंचा निकाल कर गोली मारने का भी प्रयास किया गया परंतु वीडियो बनता देखकर तमंचा निकालने वाला व्यक्ति वहां से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची गौराबादशाहपुर पुलिस ने घायल को उपचार हेतु सीएचसी चोरसंड भिजवाया जहां उसकी गंभीर हालत देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कबीरूद्दीनपुर निवासी आलोक राय और हर्ष राय का उसके पट्टीदार संजीव राय से भूमि को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। बुधवार को आलोक राय के घर कोई रिश्तेदार आया था जो जाते समय संजीव राय के घर की तरफ देखते हुए जा रहा था। यह बात संजीव राय को नागवार गुजरी तथा वह उस रिश्तेदार को बुलाकर देखने का कारण पूछने लगा। इस बात से खुन्नस खाये आलोक राय हर्ष राय और उसके घर की तीन-चार महिलाओं ने मिलकर संजीव राय को घेर कर उसे पर बुरी तरह से हमला बोल दिया तथा धारदार हथियार से दाहिने कंधे पर प्रहार कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। इसी दौरान आलोक राय के पक्ष की एक व्यक्ति ने तमंचा निकालकर फायरिंग का भी प्रयास किया परंतु किसी द्वारा वीडियो बनाया जाता देखकर वह तमंचे सहित वहां से फरार हो गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार हेतु सीएचसी चोरसंड भिजवाया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना अध्यक्ष ने बताया आरोपियों के घर पकड़ का प्रयास किया जा रहा है। अभी मामले को लेकर कोई तहरीर नहीं मिली है। तमंचा निकाले जाने की सूचना मिली है परंतु फायरिंग की बात निराधार है।

प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरूष कुश्ती प्रतियोगिता का मुरादाबाद में आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 कुश्ती संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय खेल समन्वय सीनियर पुरूष कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 28 से 30 जनवरी, 2026 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम मुरादाबाद में किया जा रहा है।

उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के सीनियर पुरूष कुश्ती खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण दिनांक 22.01.2026 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित कुश्ती खिलाड़ी ही दिनांक 23 जनवरी, 2026 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा, वाराणसी में प्रातः 10.00 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगे।

मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी जन्म प्रमाण एवं निवास प्रमाण पत्र के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र व एक पासपोर्ट साइज फोटो की छायाप्रति लेकर जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं।

चयन परीक्षण में प्रतिभाग हेतु खिलाड़ी की जन्म तिथि वर्ष 2008 से पूर्व की होनी चाहिए। सीनियर पुरूष कुश्ती फ्री-स्टाईल का निर्धारित भार वर्ग- 57, 61, 65, 70, 74, 79, 86, 92, 97, 125 किग्रा0 एवं ग्रीको रोमन में भारवर्ग- 55, 60, 63, 67, 72, 77, 82, 87, 97 व 130 किग्रा0 होना चाहिए।

क्षेत्र के विकास के लिए हूं दृढ़ संकल्पित: मनोरमा मौर्या

चेयरमैन ने 5.81 लाख रुपए की लागत से 800 मी लंबी नाली निर्माण कार्य का किया लोकार्पण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 15 वां वित्त आयोग योजना अंतर्गत नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य ने बुधवार को 5.81 लाख रुपए की लागत से जगदीशपुर में 800 मी लंबी नाली निर्माण का लोकार्पण किया। इससे जनता की वर्षों से बहु प्रतीक्षित मांग और उम्मीद पूरी हुई।

नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। क्षेत्र के विकास के लिए पूर्ण रूप से दृढ़ संकल्पित हूं। सड़क और नाली निर्माण से क्षेत्र की जनता को सुविधा और सहूलियत मिलेगी।

कहा कि इस मार्ग और नाली को बनवाने के लिए जनता लंबे समय से मांग कर रही थी। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था जिसकी स्वीकृति मिलने पर बजट पास हुआ। इससे क्षतिग्रस्त मार्ग पर राहगीरों और आम जनता के साथ दुर्घटना की घटनाओं से क्षेत्र को मुक्ति मिली। सरकार जनता की उम्मीद पर पूर्ण रूप से खरा उतरने का काम कर रही है। मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ रामसूरत मौर्या, धीरज, सत्येंद्र साहू, बंटी मौर्या, राम सकल, मनीष सेठ, विष्णु सेठ, अंशु मौर्य, अब्दुल्ला आदि मौजूद रहे।

सफल प्रबंधन करियर के लिए सॉफ्ट स्किल्स आवश्यक: चित्रा सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपति प्रो. वंदना सिंह के संरक्षण में व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा ‟सॉफ्ट स्किल्स मैनेजमेंट” विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता सुश्री चित्रा सिंह, मैनेजर, अमेरिकन एक्सप्रेस, नोएडा रहीं। उन्होंने प्रबंधन छात्रों के करियर निर्माण में सॉफ्ट स्किल्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने नौकरी साक्षात्कार के दौरान उम्मीदवारों के सफल चयन के लिए प्रभावी इंटरव्यू तकनीकों का प्रदर्शन किया। साथ ही मौखिक संप्रेषण में बॉडी लैंग्वेज, हाव-भाव तथा आँखों के संपर्क (आई कॉन्टैक्ट) के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। सुश्री सिंह ने प्रस्तुतीकरण के विभिन्न तरीकों जैसे पठन, कंठस्थ (मेमोराइजिंग) तथा तात्कालिक (एक्सटेम्पोर) भाषण के बारे में भी जानकारी दी। छात्रों को अपनी संप्रेषण क्षमता को बेहतर बनाने हेतु व्यावहारिक सुझाव प्रदान किए गए। प्रबंधन संकाय के डीन प्रो. मुराद अली ने छात्रों का स्वागत किया तथा छात्रा स्नेहल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सचिन विश्वकर्मा, आनंद कुमार सिंह, वैभावी श्रीवास्तव, मुअज्जमा आदिल, अनुभव श्रीवास्तव, तय्यब अली, आदर्श शर्मा सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

जगतपुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया जगतपुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को डॉ.लक्ष्मी सिंह की देखरेख में भारत सरकार युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा भारत के युवा शक्ति को सशक्त बनाने के लिए तथा देश के विकासात्मक रोड मैप से जोड़ने के लिए विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि यूथ नॉमिनेटेड श्रद्धा पावस्कर ने माय भारत पंजीकरण स्टॉल पर जाकर छात्र-छात्राओं के द्वारा माय bharat.gov.in पर रजिस्ट्रेशन की संपूर्ण जानकारी दी।प्राचार्य प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ स्मृति चिन्ह तथा अंगवस्त्रम प्रदान कर स्वागत किया।प्राचार्य ने विकसित भारत 2026 के महत्वपूर्ण तथ्य पांच प्राण और 11 संकल्प छात्र-छात्राओं को बताया। यूथ आइकॉन द्वारा छात्र-छात्राओं से विकसित भारत किस प्रकार हो सकता है उसके लिए विचार मांगा गया आईडिया मांगा गया। उनके मन में जो भी प्रश्न थे उन प्रश्नों को साझा किया गया जिसका बहुत ही सुंदरतम ढंग से यूथ आइकॉन के द्वारा निदान किया गया और उन्हें मार्ग बतलाया गया।कार्यक्रम का संचालन डॉ.लक्ष्मी सिंह ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अमिता श्रीवास्तव, डॉ.नंदलाल शर्मा,डॉ.नितिन राय,डॉ.सुरेश सिंह, डॉ.चंद्रशेखर, डॉ.संजय प्रधान, डॉ.आनंद सिंह, शशि बाला सिंह आदि प्राध्यापक गण उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार में बाईक फिसली, युवक गंभीर रूप से हुआ घायल

प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के छितौना गांव स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के पास मंगलवार की देर शाम एक बाईक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा लगभग रात 9 बजे उस समय हुआ जब अमिहित गांव निवासी वीरेन्द्र पुत्र रामराज बाइक से केराकत बाजार से घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जैसे ही युवक मंदिर के पास पहुँचा, अचानक बाईक अनियंत्रित होकर फिसल गई और वीरेन्द्र सड़क पर गिर पड़े, जिससे उन्हें सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। हादसे के समय मंदिर परिसर में मौजूद प्रधान प्रतिनिधि फौजी सुबास यादव ने तुरंत मौके की नजाकत समझते हुए घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत लाया गया। स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक की हालत गंभीर बताते हुए बेहतर उपचार हेतु उन्हें ट्रामा सेंटर, वाराणसी रेफर कर दिया। उधर, घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तत्काल युवक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी, जिसके बाद परिजन वाराणसी के लिए रवाना हो गए।

बजरंग दल की नई टीम घोषित, हर्ष अग्रहरि चुनें गये नगर संयोजक

हिंदुत्व की रक्षा का लिया संकल्प

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के योगीनाथ तिराहा स्थित 'अखिल मेडिकल स्टोर' पर बजरंग दल जिला कार्यकारिणी की मौजूदगी में बैठक का आयोजन किया गया। विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित बैठक में नगर बजरंग दल का गठन किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से नगर संयोजक पद पर हर्ष कुमार अग्रहरी कों मनोनीत किया गया। वहीं नगर सह-संयोजक रौनक अग्रहरी एवं रुद्र प्रताप सिंह ,गौ रक्षा प्रमुख गुलशन यादव,गौ रक्षा सह प्रमुख दीपक को नियुक्त हुये। मनोपासना प्रमुख शुभम कुमार अग्रहरी बनायें गये।

जिला उपाध्यक्ष, विश्व हिन्दू परिषद साधु तिवारी, जिला मंत्री सुनील मौर्य, आरएसएस नगर प्रचारक रवि जी के नेतृत्व में बैठक में टीम का गठन हुआ।

बैठक में नगर कार्यकारिणी का गठन कर हिंदुत्व की विचारधारा को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

वरिष्ठ पदाधिकारियों की रही गरिमामयी उपस्थिति: बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी कार्ययोजनाओं पर गहन मंथन किया गया। नव नियुक्त संयोजक हर्ष कुमार अग्रहरि ने वरिष्ठ पदाधिकारीयों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उस पर खरा उतरने हेतु प्राणप्रण से लगा रहूंगा। सेवा सुरक्षा और संस्कार टीम का लक्ष्य है। राष्ट्र निर्माण हेतु वह सभी कार्य किये जायेंगे जो एक बजरंगी कर सकता है। सकारात्मक ऊर्जा के साथ हिन्दुत्व सांस्कृतिक सामाजिक साहित्यिक उत्थान हेतु समर्पित रहूंगा। मुख्य उद्देश्य धर्म की रक्षा, गौ सेवा और समाज में समरसता बनाए रखना है। नव नियुक्त पदाधिकारियों के घोषणा पर स्थानीय कार्यकताओं में भारी उत्साह देखा गया।

इस दौरान प्रमुख रुप में वरिष्ठ भाजपा नेता विजय गुप्ता, पूर्व खंड अध्यक्ष विश्व हिन्दू परिषद महेन्द्र तिवारी, संयोजक क्षेमेन्द्र सिंह, अखिलेश अग्रहरि, कमलेश अग्रहरि ,साकेत बस्ती प्रमुख शिवा गुप्ता भोला, नगर विद्यार्थी परिषद आरएसएस साहिल अग्रहरि ,यश कुमार सिंह,आदि मौजूद रहे।

जनपद स्तरीय कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 शासन एवं जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में जिला खेल कार्यालय, जौनपुर के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस दिनांक 24 जनवरी, 2026 को जनपद स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी एवं जूनियर बालक खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन इन्दिरा गांधी स्पोट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में प्रातः 9 बजे से किया जा रहा है।

इच्छुक टीमें अपनी प्रविष्टि प्रतियोगिता से एक दिन पूर्व की अपरान्ह 5.00 बजे तक जिला खेल कार्यालय, इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर जौनपुर में निर्धारित प्रारूप पर अवश्य उपलब्ध करायें। कबड्डी एवं खो-खो टीम में खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षक की संख्या 12 प्लस 1 होगी। जूनियर आयु वर्ग की प्रतियोगिता में जनपद की कुल 08 टीमों को प्रविष्टि दी जायेगी, प्रविष्टि पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जायेगी। कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता में प्रतिभागी खिलाड़ियों की जन्म तिथि 01.07.2007 के पूर्व की न हो।

खिलाड़ी आयु सत्यापन के लिए आधार कार्ड एवं हाईस्कूल का मूल प्रमाण पत्र अपने साथ लेकर आयेंगे। आयु निर्धारण के लिए इन्हीं अभिलेखों को आधार माना जायेगा। विद्यालय की टीमें अपनी प्रविष्टि विद्यालय के प्रधानाचार्य या खेल अध्यापक के माध्यम से करायेंगी। प्रतियोगिता समाप्ति उपरान्त खिलाड़ियों/टीमों को पुरस्कृत किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए जिला खेल कार्यालय, जौनपुर में सम्पर्क कर सकते हैं।

25 जनवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा 16वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस

जौनपुर में जनपद से लेकर तहसील और बूथ स्तर तक होंगे कार्यक्रम, नए मतदाताओं को मिलेगा सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जनपद में 25 जनवरी को 16वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसको लेकर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी परमानन्द झा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई।

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस जनपद, तहसील एवं समस्त मतदान स्थलों पर वृहद रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर मतदाता शपथ दिलाई जाएगी तथा नए युवा मतदाताओं को ईपिक कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम टी.डी. इंटर कॉलेज में 25 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे से आयोजित होगा।

उन्होंने बताया कि नगर के सभी इंटर व डिग्री कॉलेजों के छात्र-छात्राएं अपने-अपने कॉलेजों से मतदाता जागरूकता रैली निकालते हुए बैनर के साथ मुख्य कार्यक्रम स्थल टी.डी. इंटर कॉलेज पहुंचेंगे। यहां मतदाता जागरूकता विषय पर रंगोली, मेहंदी एवं पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

अपर जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों व नागरिकों से अपील की कि माननीय निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में राष्ट्रीय मतदाता दिवस को पूर्ण मनोयोग एवं उत्साह के साथ मनाएं।

बैठक में प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी लाल बहादुर, सह जिला विद्यालय निरीक्षक विवेक सिंह, जिला स्वीप कोऑर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, वरिष्ठ सहायक महमूद अली, शिवकुमार, डॉ. ब्रह्म प्रकाश प्रधानाचार्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम सभा सबरहद में 'रिमोट कंट्रोल पंचायत' का आरोप, प्रधान बने मुखौटा

शाहगंज के सोंधी ब्लॉक में प्रधान पर जिम्मेदारियां चाचा को सौंपने का आरोप, फोन न उठने से ग्रामीणों में आक्रोश

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र अंतर्गत सोंधी ब्लॉक की ग्राम सभा सबरहद इन दिनों अनोखी प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर चर्चा में है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिस प्रधान को जनता ने गांव के विकास और समस्याओं के समाधान के लिए चुना, वह अधिकांश समय बैठकें और ब्लॉक कार्यालय के चक्कर लगाने में व्यस्त रहते हैं, जबकि पंचायत की वास्तविक जिम्मेदारियां उनके चाचा निभा रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार ग्राम सभा सबरहद के प्रधान मुकेश राजभर पंचायत भवन में बहुत कम दिखाई देते हैं। आरोप है कि पंचायत भवन में प्रधान की कुर्सी के बगल में बैठकर उनके चाचा अनिल पंचायत से जुड़े अधिकांश कार्यों का संचालन करते हैं। फाइलों के निस्तारण से लेकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनने तक की भूमिका वही निभा रहे हैं, जबकि प्रधान केवल नाम मात्र के प्रतिनिधि बनकर रह गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव की जनता जब भी अपनी समस्या लेकर प्रधान से संपर्क करने की कोशिश करती है तो फोन नहीं उठता। यही नहीं, मीडिया कर्मियों द्वारा संपर्क किए जाने पर भी प्रधान से बात नहीं हो पाती। ग्रामीणों में यह चर्चा आम है कि प्रधान की व्यस्तता इतनी अधिक है कि उनके दर्शन होना 'ईद के चांद' के समान हो गया है।

सूत्रों की मानें तो ग्राम पंचायत का लगभग सारा कामकाज प्रधान के चाचा अनिल ही देख रहे हैं। पंचायत भवन में फाइलों का निस्तारण, बैठकों की रूपरेखा और अन्य प्रशासनिक कार्य उन्हीं के माध्यम से हो रहे हैं। ऐसे में ग्रामीणों के बीच यह सवाल उठने लगा है कि जब प्रधान स्वयं जिम्मेदारियां नहीं निभा रहे हैं तो जनता के जनादेश का क्या अर्थ रह जाता है।

ग्रामीणों में इस व्यवस्था को लेकर नाराजगी भी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि पंचायत स्तर पर विकास कार्यों और जनसमस्याओं के समाधान में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है, जो मौजूदा हालात में प्रभावित हो रही है।

अब सबकी निगाहें आने वाले पंचायत चुनावों पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि ग्राम सभा की जनता इस कथित व्यवस्था को लेकर क्या रुख अपनाती है और क्या ऐसे जनप्रतिनिधियों को कोई सबक सिखाया जाता है। इस सम्बन्ध में एसडीएम कुणाल गौरव ने कहा की मामला संज्ञान में नही था। अगर ऐसी बात है तो जाँच कर कार्यवाही की जाएगी।

किसान दिवस में पशुपालन व मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के निर्देश

खेती के साथ सहायक व्यवसाय अपनाकर बढ़ेगी किसानों की आय: डीएम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ०दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों की समस्याओं तथा कृषि से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में पशुपालन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। किसानों को चाहिए कि वे परंपरागत खेती के साथ-साथ पशुपालन को भी अपनाएं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों व वैज्ञानिकों को निर्देश दिए कि किसानों को मधुमक्खी पालन के प्रति अधिक से अधिक जागरूक किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि मधुमक्खी पालन किसानों की आमदनी बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम है। इसके लिए किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं आवश्यक संसाधनों की हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि कृषि के साथ सहायक व्यवसायों को अपनाकर किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

उन्होंने समन्वित खेती पर विशेष जोर देते हुए जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया कि उद्यान विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचाई जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान योजनाओं का लाभ उठा सकें।

इस अवसर पर उप निदेशक कृषि वी.बी. द्विवेदी, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, डिप्टी पीडी आत्मा डॉ. रमेश चंद्र यादव सहित अन्य अधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

जौनपुर कचहरी में सभा के दौरान महिलाओं ने की किसान नेता की पिटाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट परिसर में चल रहे किसान यूनियन के पंचायत के दौरान बुधवार को अचानक माहौल तनावपूर्ण हो गया। किसी विवादित टिप्पणी को लेकर किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राजनाथ यादव और महिला सदस्यों के बीच कहासुनी बढ़ गई और मामला हाथापाई में बदल गया। आरोप है कि प्रदेश अध्यक्ष द्वारा महिलाओं को अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया, जिसके बाद नाराज महिलाओं ने उन पर लात-घूंसे और जूतों से हमला कर दिया। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिसमें महिलाएं भी आपस में भिड़ती दिखीं। स्थिति अनियंत्रित होता देख प्रदेश अध्यक्ष वहां से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह महिलाओं को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। हमलावर महिला शीला ने आरोप लगाया कि प्रदेश अध्यक्ष ने न केवल गाली-गलौज की, बल्कि यूनियन के कार्यों में लूट-खसोट और मनमानी की भी शिकायतें लंबे समय से उठती रही हैं। महिलाओं का रोष देखते हुए पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद भीड़ को शांत कराया। पुलिस पूरे प्रकरण में संबंधित पक्षों के बयान दर्ज कर रही है।

लुधियाना हादसे में मृत युवक का शव गांव पहुंचा

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लुधियाना में तीसरी मंज़िल से गिरकर मृत पोरईखुर्द गांव निवासी युवक का शव पोस्टमार्टम के बाद बुधवार को गांव पहुंचा। शव के गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पोरईखुर्द गांव निवासी सूबेदार यादव के सबसे छोटे पुत्र 29 वर्षीय रोहित यादव रोजगार के सिलसिले में लुधियाना में रहकर सिलाई के कार्य से जुड़े थे। शनिवार की रात काम से लौटने के बाद देर रात संतुलन बिगड़ने से वह जिस मकान में रहते थे, उसकी तीसरी मंज़िल से नीचे गिर पड़े। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई थी। बुधवार को शव गांव लाए जाने के बाद परिजनों द्वारा पिलकिछा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, रिश्तेदार और शुभचिंतक मौजूद रहे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास को नई दिशा देगा आईडब्ल्यूडीसी 3.0

मुंबई।अंतर्देशीय जल परिवहन (IWT) क्षेत्र की उपलब्धियों को रेखांकित करने और इसके भविष्य के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने के उद्देश्य से अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (IWDC) की तीसरी बैठक 23 जनवरी, 2026 को कोच्चि, केरल में आयोजित की जाएगी। यह एक दिवसीय बैठक केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल की अध्यक्षता में आयोजित होगी। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर सहित विभिन्न राज्य सरकारों के मंत्री भी इस बैठक में भाग लेंगे। बैठक के दौरान पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री विभिन्न राज्यों में अंतर्देशीय जल परिवहन के और विकास के लिए नई पहलों का शुभारंभ करेंगे। कई राज्य समर्थन समझौतों (State Support Agreements) पर भी हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है, जिससे अंतर्देशीय जल परिवहन परियोजनाओं के लिए केंद्र-राज्य सहयोग को और सुदृढ़ किया जाएगा। आईडब्ल्यूडीसी 3.0 के एजेंडा में शहरी जल परिवहन प्रणाली को सुदृढ़ बनाने, कार्गो परिवहन की दक्षता बढ़ाने, यात्री परिवहन के लिए हरित पोतों (ग्रीन वेसल्स) को प्रोत्साहित करने, नदी क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने तथा डिजिटल एवं सतत (सस्टेनेबल) प्रथाओं को लागू करने पर सत्र शामिल हैं। बैठक में अंतर्देशीय जलमार्गों से जुड़े नियामक ढांचे की भी समीक्षा की जाएगी तथा चल रही और प्रस्तावित अंतर्देशीय जल परिवहन परियोजनाओं से संबंधित राज्यों के सुझावों पर भी चर्चा की जाएगी। भारत में अंतर्देशीय जलमार्गों का एक व्यापक नेटवर्क है, जिसके माध्यम से प्रतिवर्ष 145 मिलियन टन से अधिक कार्गो का परिवहन किया जाता है, जो इसे ईंधन-कुशल और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन माध्यम बनाता है। अंतर्देशीय जलमार्ग, अत्यधिक भारग्रस्त रेल और सड़क नेटवर्क का पूरक हैं तथा रोल-ऑन रोल-ऑफ (Ro-Ro) वाहन परिवहन और नदी क्रूज पर्यटन जैसी पहलों को भी सुविधा प्रदान करते हैं। 23 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों में फैले कुल 111 राष्ट्रीय जलमार्गों में से 32 वर्तमान में कार्गो और यात्री परिवहन के लिए परिचालन में हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) इन जलमार्गों के विकास, अनुरक्षण और विनियमन के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। राष्ट्रीय जलमार्गों पर कार्गो परिवहन 2013-14 में 18 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 145.84 मिलियन टन हो गया है, जबकि यात्री यातायात 2024-25 में बढ़कर 7.64 करोड़ तक पहुंच गया है। इस गति को जलवाहक कार्गो प्रोत्साहन योजना जैसी परिवर्तनकारी पहलों से और बल मिला है, जो प्रेषकों (शिपर्स) को सड़क और रेल से जलमार्गों की ओर कार्गो स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित करती है, तथा जल समृद्धि पहल, जो टर्मिनल विकास और संचालन में निजी क्षेत्र की सशक्त भागीदारी को बढ़ावा देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आईडब्ल्यूडीसी एक वास्तविक सहयोगात्मक राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित हुआ है, जो नीति निर्माताओं, विभिन्न राज्य सरकारों और संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाकर अंतर्देशीय जलमार्गों के भविष्य को आकार दे रहा है। माननीय केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आईडब्ल्यूडीसी को केंद्र-राज्य प्राथमिकताओं के समन्वय, नीतिगत दृष्टिकोण को क्रियान्वयन योग्य परिणामों में परिवर्तित करने तथा एक हरित और अधिक कुशल परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने का उत्प्रेरक बनाया है। अवसंरचना विकास को सततता और सामुदायिक सहभागिता के साथ जोड़कर परिषद भारत की नदीय विरासत को पुनर्जीवित कर रही है और अंतर्देशीय जलमार्गों को कार्गो और यात्रियों दोनों के लिए एक पसंदीदा परिवहन माध्यम के रूप में पुनर्स्थापित कर रही है। कोच्चि में हम 2024 में आईडब्ल्यूडीसी 1.0 के बाद से हुई प्रगति को समेकित करने, परियोजनाओं के कार्यान्वयन को तेज करने और राज्यों के साथ घनिष्ठ साझेदारी में हरित, प्रौद्योगिकी-संचालित अंतर्देशीय जलमार्गों का विस्तार करने का लक्ष्य रखते हैं, आईडब्ल्यूएआई के अध्यक्ष सुनील पालीवाल ने कहा। आईडब्ल्यूडीसी की आगामी बैठक अंतर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र की संभावनाओं और लाभों का आकलन करने तथा इसके भविष्य के विस्तार के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तय करने की दिशा में एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य करेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने संजय उपाध्याय को दी बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई। विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी भाजपा, जमीन से जुड़कर काम करने वाले लोगों को बड़ी जिम्मेदारी देने से नहीं हिचकती और यही कारण है कि उसे लगातार सफलता मिल रही है। कुछ दिन पहले तक आम जनता जिस नितिन नवीन को नहीं जानती थी, भाजपा ने उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और कल प्रधानमंत्री ने यह कहकर कि नितिन मेरे बॉस है और मैं कार्यकर्ता, उनकी ताकत का एहसास भी लोगों को करा दिया। पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही नितिन ने महाराष्ट्र के 3 नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी। वरिष्ठ भाजपा नेता विनोद तावडे को जहां उन्होंने केरल का प्रभारी बनाया, वहीं विधायक एडवोकेट आशीष शेलार को तेलंगाना म्युनिसिपल चुनाव का प्रभारी तथा बोरीवली के लोकप्रिय युवा विधायक संजय उपाध्याय को ग्रेटर बैंगलोर कॉरपोरेशन चुनाव का सह प्रभारी नियुक्त किया है। देखा जाए तो तीनों नियुक्तियां अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि तीनों स्थानों पर विपक्ष मजबूत स्थिति में है। संजय उपाध्याय पहली बार विधायक बने हैं परंतु विधायक बनने के पहले भी वे पार्टी संगठन में लगातार काम करते रहे हैं। काशी, पश्चिम बंगाल, सूरत (गुजरात), दिल्ली, बेंगलुरु के चुनाव में काम करने का उनका एक बड़ा अनुभव है। मुंबई में सबसे अधिक मतों से विजई होने वाले संजय उपाध्याय की ताकत पिछले दिनों महानगरपालिका चुनाव में भी दिखाई थी, जहां उनके मार्गदर्शन में बोरीवली विधानसभा के सभी सात वार्डों में पार्टी को रिकार्ड मतों से विजय प्राप्त हुई। बोरीवली विधानसभा को अवैध बांग्लादेशियों तथा सड़कों पर अतिक्रमण करने वाले अवैध फेरीवालों से मुक्त करने से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वाले लोगों के खिलाफ सार्थक और प्रभावी अभियान चलाने वाले संजय उपाध्याय चुनौतियों के बीच काम करना ज्यादा पसंद करते हैं।

मनोज तिवारी ने रवि किशन के बारे में क्या कहा? जानिए इस शनिवार द ग्रेट इंडियन कपिल शो में

मुंबई। शो में जहां आमतौर पर सिर्फ मजेदार बातें होती हैं, इस बार एक अनकही कहानी ने सबका ध्यान खींचा। इस हफ्ते नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 4 में भोजपुरी सुपरस्टार्स पवन सिंह, मनोज तिवारी और दिनेश निरहुआ लाल यादव सिर्फ गाने और स्टाइल नहीं लेकर आए,बल्कि मजेदार और हैरान करने वाली कहानियाँ भी लेकर आए। शो की शुरूआत सिद्धू पाजी ने अपनी खास शायरी से की। हर सुपरस्टार्स का परिचय पहले से भी ज्यादा जोश और धमाके के साथ किया गया। मनोज तिवारी को भोजपुरी के शाही अंदाज में पेश किया गया भोजपुरी का बादशाह है प्यार से सबको नापा ना ये चाचा है, ना ये ताऊ किसी का ये रिंकिया के पापा है जिस पर दर्शक तालियों से गूंज उठे। निरहुआ की कहानी हँसी-मजाक के साथ उनके सफर की झलक दिखाती हुई पेश की गई, बनियान वाला कमीज पे आ गया, ब्रेड वाला चीज पे आ गया। तरीकोंतो देखो निरहुआ की रिक्शा वाला मर्सिडीज पे आ गया। पवन सिंह की एंट्री पुरे स्टार पावर के साथ हुई, दिलों का जो सिग्नल पकड़ ले, ये वो टॉवर है, बिना डीजल के जो ट्रैक्टर चला ले - पवन सिंह, वही स्टार पावर हैं। हर सुपरस्टार के परिचय के साथ दर्शकों का उत्साह बढ़ता गया और भोजपुरी सिनेमा पर गर्व साफ नजर आने लगा।

इस एपिसोड का सबसे मजेदार पल तब आया जब निरहुआ ने फिल्म कास्टिंग के बारे में एक मजेदार कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने और पवन सिंह ने मनोज तिवारी के पास जाकर डरते हुए कहा कि विलेन का रोल न मिल जाए। मनोज भाई ने ध्यान से सुना, फिर आराम से फोन उठाया और डायरेक्टर को सीधे कह दिया पवन इतना अच्छा गाता है, उससे गाना गवाओ। निरहुआ को गेस्ट अपीयरेंस करवा दो। विलेन चाहिए? वह रवि किशन से करवा लो। इस लाइन पर कपिल तुरंत कूद पड़े और दर्शक जोर-जोर से हँसने लगे। यह एपिसोड की सबसे चर्चित लाइन बन गई।

मानस प्रवचन एवं महारुद्र यज्ञ की पूर्णाहुति पर भंडारे का आयोजन

मुंबई। विक्रोली पार्कसाइट स्थित श्री सिद्धेश्वरम ट्रस्ट (श्री शंकर जी मंदिर), आनंदगढ़ के प्रांगण में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 11 दिवसीय महारुद्र यज्ञ एवं मानस प्रवचन का भव्य आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। साकेतवासी परम पूज्य स्वामी श्री राम बिहारी शरण जी मानस कोविद अयोध्याधाम के कृपा पात्र शिष्य, प्रसिद्ध कथावाचक पंडित नरेंद्र द्विवेदी जी महाराज के मुखारविंद से बुधवार 21 जनवरी को मानस प्रवचन का समापन हुआ। और पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में गुरवार 22 जनवरी को हवन, आरती के पश्चात सायं 5 बजे से महाप्रसाद भंडारे का भी आयोजन किया गया है। इस आयोजन में ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं मंदिर पुजारी पंडित ओमप्रकाश पांडेय और महेंद्र गिरी सहित मंदिर समिति के सभी पदाधिकारी एवं सहयोगी कार्यकर्ता गण तथा आसपास एवं दूर-दराज से पधारे श्रद्धालुओं ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

महापत्तन न्यायनिर्णायिक बोर्ड, मुंबई को मिला प्रतिष्ठित क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार

-प्रो. डॉ दयानंद तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में आयोजित संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में महापत्तन न्यायनिर्णायिक बोर्ड (पूर्ववर्ती में महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण), मुंबई को वर्ष 2024-25 के संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार, पश्चिम क्षेत्र, कार्यालय की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान महापत्तन न्यायनिर्णायिक बोर्ड की राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं उसके सतत संवर्द्धन के प्रति समर्पित प्रयासों और उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति का प्रमाण है। यह राजभाषा पुरस्कार, 20 जनवरी 2026 को इंदौर में आयोजित पश्चिम क्षेत्र के लिए संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में प्रदान किया गया। इसमें पुरस्कार स्वरूप शील्ड तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। समारोह में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री, बंदी संजय कुमार के द्वारा श्रीमती अनुराधा हरिहर शर्मा, निदेशक, को शील्ड तथा शंकर लालवानी, लोकसभा सांसद, इंदौर, मध्य प्रदेश से रणधीर कुमार, प्रशासनिक अधिकारी व प्रभारी राजभाषा को राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के साथ शंकर लालवानी, इंदौर, मध्य प्रदेश से लोकसभा सांसद, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रो. राकेश सिंघई तथा केन्द्रीय गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की सचिव, श्रीमती अंशुली आर्या भी उपस्थित थीं।

जनक कुमारी इण्टर कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

0-सड़क सुरक्षा पर भाषण, पोस्टर व क्विज प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा
0-विजयी प्रतिभागियों को एआरटीओ ने किया पुरस्कृत, अधिकारियों व शिक्षकों की रही सक्रिय सहभागिता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत जनक कुमारी इण्टर कॉलेज हुसैनाबाद जौनपुर में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के लगभग 25 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिसमें भाषण, चित्रकला, क्विज प्रतियोगिता कराई गई है। प्रतियोगिता का शुभारंभ जनपद के सह जिला विद्यालय निरीक्षक विवेक कुमार सिंह (पूर्व छात्र जनक कुमारी इण्टर कालेज) के मुख्य आतिथ्य में हुआ। भाषण प्रतियोगिता में दिव्या सिंह सेंट्र पैट्रिक इण्टर कालेज प्रथम, श्रेया अस्थाना सर्वोदय इण्टर कॉलेज द्वितीय, रिया मौर्या हरगोविन्द इण्टर कॉलेज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में उजाला निषाद प्रथम, जाह्नवी सिंह जीजीआईसी राजकीय इण्टर कॉलेज जौनपुर द्वितीय, सृष्टि मौर्या भगवान गौतम बुद्ध कॉलेज चम्बल तारा तृतीय एवं क्विज प्रतियोगिता में श्रीजी विश्वकर्मा जनक कुमारी इण्टर कालेज प्रथम, उज्जवल अस्थाना द्वितीय, शिवानी यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजयी प्रतिभागियों को एआरटीओ द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में एआरटीओ सत्येंद्र कुमार सिंह, यातायात निरीक्षक सुशील मिश्रा, जनक कुमारी इण्टर कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षक विपनेश कुमार श्रीवास्तव, नोडल प्रभाकर सिंह एवं निर्णायक मण्डल के सम्मानित सदस्य डॉ० रवीन्द्र नाथ, श्रीमती अनीता मौर्या एवं डॉ० सन्तोष गुप्ता, प्रधानाध्यापक राजकीय विद्यालय, रमेश कुमार सिंह प्रधानाचार्य नगर पालिका इण्टर कॉलेज जनक कुमारी इण्टर कॉलेज के शिक्षक रोहित अग्रवाल, तेज बहादुर प्रजापति प्रतिमा विश्वकर्मा, रेनू भारती एवं अन्य तथा प्रतिभागी विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जनक कुमारी इण्टर कॉलेज के शिक्षक बिजेन्द्र प्रसाद ने किया।

नवनिर्वाचित नगरसेविका दिशा सुनील यादव का सत्कार किया गया

मुंबई। वार्ड क्रमांक 80 से भाजपा की नवनिर्वाचित नगरसेविका दिशा सुनील यादव का अंधेरी पूर्व विधानसभा के वरिष्ठ भाजपा नेता हुसेन पठाण और उनके परिवार की तरफ से सत्कार किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित नगरसेविका दिशा सुनील यादव का स्वागत करते हुए हुसेन पठाण ने उन्हें भावी राजनितिक जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं दी। स्वागत समारोह के अवसर पर प्रमुख रुप से पूर्व नगरसेविका संध्या सुनिल यादव, साथ मे भाजपा महामंत्री संजय चौरसिया, भाजपा महामंत्री सुरेश कथुरे,अमर यादव,सचिन, अब्बास पठाण,उस्मान पठाण,उमर पठाण, हरिहर गौड़,मैरीग्रेस प्रीतम, शाहनवाज पठाण सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

किशोरी के साथ गैग रेप, दो युवक गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के गांव में एक किशोरी को घर से लाकर सुनसान स्थान पर 3 लोग गैंगरेप किये और बेहोशी की हालत में छोड़कर वह सब फरार हो गये। घटना की जानकारी लगते हैं पुलिस ने उसका उपचार कराया और मुकदमा दर्ज कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया, एक फरार हो गया। ज्ञात हो कि बीते 6 जनवरी की रात में गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के 5 युवक बाइक से सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के गांव में पहुंचे और वहां ननिहाल में रह रही इन्टर की छात्रा नाबालिग 17 वर्षीय को प्रेमी ने घर से स्कूटी पर बिठाकर गांव के स्कूल के मंदिर के पीछे सुनसान स्थान पर ले गया। वहां से पहले से चार लोग मौजूद थे और सभी शराब पी रहे थे। आरोप है कि उसके बाद सभी ने किशोरी को चाकू लगाकर बारी-बारी से गैंगरेप किया। इसके बाद किशोरी बेहोश हो गई और आरोपी भाग निकले। किशोरी को भोर में होश आने पर घर पहुंची, खून से लथपथ थी जिसके बाद परिजन आरोपियो के घर पहुंचे। आरोपियों ने उन्हें मारने की धमकी दी जिसके बाद पुलिस में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग किया। इसके बाद पुलिस ने पीड़ित किशोरी को ले जाकर उपचार कराया। क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह के अनुसार नाबालिक पीड़िता के साथ तीन युवकों ने दुष्कर्म किया है, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना पर अभियोग दर्ज कर पीड़िता के उपचार हेतु सदर अस्पताल जौनपुर रवाना किया गया, उपचारोपरान्त पड़िता को परिजनों को सुपुर्द किया गया तथा नामित 03 अभियुक्तों में से 02 आरोपियों की गिरफ्तारी कर पूछताछ जारी है एवं 01 अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु टीम को रवाना किया गया है।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 1 जनवरी से 31 जनवरी तक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० के कुशल नेतृत्व में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष, डा० मुदित चौहान के द्वारा आज राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (1 जनवरी से 31 जनवरी 2026) के अन्तर्गत आपातकालीन उपचार का मॉक ड्रील कराया गया। एएलएस (एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट) एंबुलेंस के अंतर्गत कार्यरत इमरजेंसी मेडिकल टेक्निशियन (ईएमटी०) को रोड ट्रैफिक एक्सीडेंट (आरटीए) से घायल मरीज के त्वरित एवं प्रभावी उपचार हेतु एक व्यावहारिक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल में दुर्घटना स्थल का वास्तविक परिदृश्य तैयार कर आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली समस्त चिकित्सकीय एवं प्रबंधन प्रक्रियाओं का क्रमबद्ध अभ्यास कराया गया। मॉक ड्रिल के दौरान सर्वप्रथम घटनास्थल की सुरक्षा, मरीज की प्राथमिक जांच (एयरवे, ब्रीदिंग, सर्कुलेशन), रक्तस्राव नियंत्रण, स्पाइन इम्मोबिलाइजेशन, ऑक्सीजन सपोर्ट, वेनस एक्सेस स्थापित करना, तथा आवश्यकतानुसार एएलएस प्रोटोकॉल के अंतर्गत जीवनरक्षक दवाओं का प्रयोग किया गया। इसके पश्चात मरीज को स्ट्रेचर पर सुरक्षित रूप से शिफ्ट कर एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल तक त्वरित परिवहन की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। मरीज को अस्पताल पहुँचाने तक निरंतर वाइटल मॉनिटरिंग, ईसीजी मॉनिटरिंग, ऑक्सीजन सैचुरेशन एवं ब्लड प्रेशर की निगरानी करते हुए आपातकालीन उपचार की संपूर्ण प्रक्रिया को चरणबद्ध रूप से समझाया गया। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में समयबद्ध निर्णय, समन्वय एवं टीमवर्क को सुदृढ़ करना तथा ईएमटी स्टाफ को वास्तविक दुर्घटना की स्थिति में त्वरित एवं दक्ष सेवा प्रदान करने हेतु सक्षम बनाना था। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० ए०ए०जाफरी, प्रो० उमेश कुमार सरोज, डा० विनोद कुमार, डा० ले०कर्नल सी०बी०एस० पटेल, डा० अरविन्द पटेल, डा० जितेन्द्र कुमार, डा० आदर्श यादव, डा० चन्द्रभान, डा० अनुज सिंह, डा० नवीन सिंह, डा० पूजा पाठक, डा० अनिल कुमार एवं अन्य चिकित्सक व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

जयपुर प्रवासी संघ का स्थापना दिवस संपन्न

मुंबई। जयपुर प्रवासी संघ मुंबई (रजि.) का 18 वां वार्षिक उत्सव व म्यूजिकल नाईट कार्यक्रम का आयोजन मुकेश पटेल हॉल, विलेपार्ले मुंबई में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में द सितार स्टार सिम्फोनी द्वारा सितार वादन म्यूजिकल नाईट का उपस्थिति संघ के सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में जयपुर प्रवासी संघ के संरक्षक दिलीप लाखी, अशोक डागा, विनोद दुग्गड, गवर्निंग संरक्षक कृष्णकुमार राठी, कुसुम काबरा व नरेंद्र हीरावत ने आए हुए विशिष्ट अतिथियों का सत्कार किया। जयपुर से पधारे डॉ सुशील तापरिया, डॉ शैलेश लोढ़ा, डॉ अजय बाफना, सामाजिक कार्यकर्ता व व्यवसाई राजू मंगोड़ीवाला, महेश चंद गुप्ता को 'जयपुर श्री' की उपाधि से सुशोभित किया गया। प्रसिद्ध फिल्मकार के सी बोकाडिया व राजस्थान फाउंडेशन चेयरमैन गणपत कोठरी को स्मृति चिन्ह व शाल ओढ़ा कर सम्मान किया गया, साथ ही जयपुर के सुप्रसिद्ध व्यवसायी व सामाजिक कार्यकर्ता नवरतन कोठारी की ग्रुप ऑफ कंपनी के. जी . के. ग्रुप द्वारा जयपुर के युवाओ को ट्रेनिंग के रोजगार के अवसर प्रदान किए जाने हेतु स्मृति चिन्ह व शॉल पहना कर सम्मनिति किया गया। कर्यक्रम का संचालन कुसुम काबरा व अनीता माहेश्वरी ने किया। जयपुर प्रवासी संघ की कार्यकारिणी के अरुण निगोतिया, धरमचंद कोठारी, अनिल हीरावत व संयोजक सुनील सिंघवी, उप संयोजक मधुकुमार राठी का कार्यक्रम को सफल बनानें के लिए विशेष सहयोग रहा। कृष्ण कुमार राठी ने जयपुर प्रवासी संघ की जयपुर प्रवासी संघ की स्थापन से लेकर आज तक की कार्यकारिणी के द्वारा संस्था को आगे बढ़ने में जो सहयोग दिया उसके लिए सम्मान व स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

मीरा रोड में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन

मीरा रोड। श्री शनि धाम पंचदेव इच्छापूर्ति मंदिर, मीरा रोड (पूर्व) द्वारा 22 जनवरी, गुरुवार को शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन किया गया है। पिछले वर्ष भी यहां यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मंदिर की संस्थापिका तथा नगरसेविका श्रीमती नीला सोंस तथा मंदिर के महंत शास्त्री सुरेश गुरु ओझा द्वारा यह जानकारी दी गई है। इस बारे में पत्रकारों से बात करते हुए श्रीमती नीला सोंस ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे वर्ष तथा माघी गणेश के पावन अवसर पर श्री राम भजन तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि ईश्वर की असीम कृपा, गुरुजनों के आशीर्वाद तथा जनता के विश्वास और सहयोग के कारण उन्हें पुनः नगरसेविका बनने का सौभाग्य मिला है। इस पावन आयोजन के माध्यम से सभी के प्रति हृदय से आभार एवं अभिनंदन प्रकट करना उनका विनम्र प्रयास है।

अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा प्रतिनिधिमंडल मृतकों के परिजनों से मिला

विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने डीएम से फोन पर बात करके मकान एवं भूमि उपलब्ध कराने की मांग की

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा का प्रतिनिधिमंडल विधायक डॉ.रागिनी सोनकर के नेतृत्व में मंगलवार को प्रयागराज के पूरा मुफ्ती थाना क्षेत्र के कुसुआ गांव में पानी में डूबने से हुई चार मासूम बच्चों की मौत मामले में मृतकों के परिजनों से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने मृतकों के परिजनों से मिलकर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। शोक संतप्त परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया। जल्द ही इसकी रिपोर्ट पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को सौंपी जाएगी। थाना क्षेत्र के हुसैनपुर अहमदपुर पावन ग्राम निवासी चार मासूम बच्चों करन सोनकर, प्रियांशु सोनकर, प्रिंस एवं प्रतीक की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मृत्यु हो गई थी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवारों के घर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की तथा उन्हें ढांढस बंधाया। परिवारजनों को इस असहनीय दुख की घड़ी में पार्टी की ओर से हरसंभव सहायता एवं सहयोग का भरोसा दिलाया गया। विधायक डॉ.रागिनी ने प्रयागराज के डीएम मनीष वर्मा से फोन पर बातचीत कर मृतकों के परिजनों को आवास एवं भूमि उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने बस्ती से मुख्य मार्ग तक संपर्क मार्ग को दुरुस्त करने के लिए भी कहा। उन्होंने पूर्ण रूप से आश्वासन दिया कि वह पुलिस महानिदेशक से भी करेंगी ताकि घटना का जल्द खुलासा हो। इस मौके पर एमएलसी डॉ मान सिंह यादव, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अमर नाथ मौर्य, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, पूर्व विधायक हाजी परवेज टंकी, रविन्द्र यादव एडवोकेट, करन सोनकर, रणजीत सोनकर, भोलानाथ सोनकर, शकील अहमद, अनिल सोनकर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मालगाड़ी पर चढ़ा युवक जिंदा जला

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। चंदौली के डीडीयू जंक्शन पर बुधवार को सनसनी फैल गई। मालगाड़ी के इंजन पर चढ़ते ही युवक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। तेज चिंगारी के साथ आग लगी और युवक मौके पर ही जलकर राख हो गया। आरपीएफझजीआरपी ने शव कब्जे में लिया, मृतक की पहचान अब तक नही हो पाई।